हिन्दी दैनिक

पथ प्रवाह

RNI No.: UTTHIN/2011/39282

हर खबर पर पैनी नजर

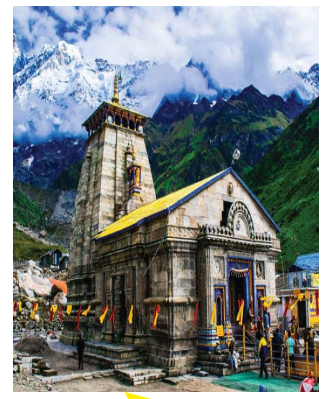

वर्ष:4 अंक:284 पृष्ठ:08 मुल्य:1 रूपये pathpravah.com हरिद्वार, शनिवार, 18 अक्टूबर 2025

उत्तराखंड ने खनन सुधार में किया देश में धमाकेदार प्रदर्शन,100 करोड़ की प्रोत्साहन राशि

राज्य खनन तत्परता सूचकांक श्रेणी-C में दूसरे स्थान पर उत्तराखंड

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड ने भारत सरकार द्वारा लागू राज्य खनन तत्परता सूचकांक योजना में श्रेणी-ष्ट में देश में दूसरा स्थान प्राप्त कर राज्य और खनन विभाग के लिए एक महत्वपूर्ण उपलब्धि दर्ज की है। इसके परिणामस्वरूप राज्य को 100 करोड़ की प्रोत्साहन राशि मिलने जा रही है।

खनन मंत्रालय भारत सरकार ने राज्य खनन तत्परता सूचकांक और राज्य स्तरीय रैंकिंग का अनावरण करते हुए बताया कि एसएमआरआई भारत सरकार की प्रमुख पहल है, जिसका उद्देश्य खनन क्षेत्र में सुधारों को प्रोत्साहित करना है। इसे अब वित्त मंत्रालय के एसएएससीआई 2025-26 योजना का हिस्सा बनाया गया है, जिसमें कुल 5,000 करोड़ की राशि उपलब्ध है। इस राशि के 900 करोड़ एसएमआरआई रैंकिंग में शीर्ष तीन स्थान प्राप्त करने वाले राज्यों को आवंटित किए गए हैं।

एसएमआरआई प्रक्रिया में राज्यों की

निष्पक्ष और तुलनात्मक समीक्षा हेतु उन्हें उनकी खनिज संपदा के आधार पर तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया है। श्रेणी-ए में खनिज संसाधनों से समृद्ध राज्य, श्रेणी-ब्क में मध्यम संसाधन वाले राज्य और श्रेणी-ष्ट में सीमित संसाधन वाले राज्य शामिल हैं। उत्तराखंड को श्रेणी-ष्ट में रखा गया है और इस श्रेणी में पंजाब और त्रिपुरा के साथ राज्य ने शीर्ष तीन स्थान हासिल किए। खनन मंत्रालय ने राज्यों से खनन लॉट आवंटन, ई-निविदा, खनन योजना अनुमोदन, पर्यावरणीय अनुमति, खनन पट्टा स्वीकृति, खनिज अवैध उत्खनन नियंत्रण, राजस्व वृद्धि और खनन सर्विलांस सिस्टम से संबंधित कार्यों के आंकड़े समयबद्ध रूप में प्रस्तुत करने को कहा था। उत्तराखंड द्वारा निर्धारित समय सीमा में प्रस्तुत आंकड़े और सुधारात्मक कदमों के परिणामस्वरूप राज्य ने एसएमआरआई रैंकिंग में शानदार प्रदर्शन किया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने इस उपलब्धि पर संतोष व्यक्त करते हुए कहा, ÷प्रदेश के राजस्व में खनन का अहम योगदान है। प्रदेश सरकार पर्यावरण के अनुकूल, वैधानिक तरीके से खनन पर जोर दे रही है। हमने लगातार अवैध खनन पर लगाम कसने के साथ ही, कर चोरी पर भी सख्ती की है। केंद्र सरकार की खनन रैंकिंग में उल्लेखनीय प्रदर्शन इसका नतीजा है। इस उपलब्धि से न केवल उत्तराखंड के खनन क्षेत्र को वित्तीय प्रोत्साहन मिला है, बल्कि यह राज्य में पारदर्शिता, वैधानिक कार्यवाही और सतत विकास की दिशा में किए गए प्रयासों की सफलता का प्रतीक भी है। राज्य सरकार की योजना है कि इस राशि का उपयोग खनन परियोजनाओं के विकास, पर्यावरणीय सुधार और खनन से जुड़े आधुनिकीकरण में किया जाएगा। इस रैंकिंग में देशभर में श्रेणी-ए में मध्य प्रदेश, राजस्थान और गुजरात, श्रेणी-ब्क में गोवा, उत्तर प्रदेश और असम ने शीर्ष तीन स्थान प्राप्त किए हैं। उत्तराखंड की यह उपलब्धि राज्य में खनन क्षेत्र के सुधार और सतत विकास के प्रति एक नई प्रेरणा का मार्ग प्रशस्त करती दिखाई पड़ रही है।

डॉ.अमरसूर्या की यात्रा से श्रीलंका-भारत संबंधों को मिलेगी नयी गति :मोदी

नयी दिल्ली। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरिनी अमरसूर्या ने शुक्रवार को यहां प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर द्विपक्षीय संबंधों के विभिन्न पहलुओं पर विचार विमर्श किया। मोदी ने डा अमरसूर्या का स्वागत करते हुए कहा कि उनकी भारत यात्रा ऐतिहासिक है और बहुआयामी भारत-श्रीलंका संबंधों को नई गति प्रदान करेगी। दोनों नेताओं ने शिक्षा, प्रौद्योगिकी, नवाचार विकास सहयोग और मछुआरों के कल्याण सहित कई क्षेत्रों में सहयोग को मजबूत करने के उपायों पर चर्चा की। मोदी ने भारत और श्रीलंका के बीच विशेष संबंधों पर प्रकाश डालते हुए दोनों देशों की साझा विकास यात्रा में साथ मिलकर काम करने की भारत की प्रतिबद्धता की पुष्टि की। श्रीलंका की प्रधानमंत्री इन दिनों भारत की यात्रा पर यहां आई हुई हैं। प्रधानमंत्री ने इस दौरान इस वर्ष अप्रैल की अपनी श्रीलंका की यात्रा का उल्लेख भी किया और कहा कि उस समय उन्होंने राष्ट्रपति अनुरा कुमारा दिसानायका के साथ सहयोग के सभी क्षेत्रों पर उपयोगी चर्चा की थी।

अल्मोड़ा जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने संभाला कार्यभार, शिक्षा, स्वास्थ्य,और युवाओं के स्वावलंबन पर फोकस

पथ प्रवाह, अल्मोड़ा

कुमाऊं की सांस्कृतिक नगरी अल्मोड़ा को शुक्रवार को उसका नया जिलाधिकारी मिल गया है। 2018 बैच के युवा और ऊर्जावान आईएएस अधिकारी अंशुल सिंह ने आज जिलाधिकारी अल्मोड़ा का कार्यभार विधिवत रूप से ग्रहण किया। आईएएस अंशुल सिंह इससे पूर्व हरिद्वार-रुड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) के उपाध्यक्ष पद पर रहते हुए अपने उत्कृष्ट कार्यों को जनता में लोकप्रियता बटोर चुके हैं।

शुक्रवार को कलैक्ट्रेट परिसर पहुंचने पर जिलाधिकारी अंशुल सिंह को गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी युक्ता मिश्रा, संयुक्त मजिस्ट्रेट रानीखेत गौरी प्रभात, उप जिलाधिकारी सदर संजय कुमार, द्वाराहाट के एसडीएम सुनील कुमार राज सहित अनेक प्रशासनिक अधिकारी मौजूद रहे। सभी अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने पुष्पगुच्छ भेंट कर जिलाधिकारी अंशुल सिंह का गर्मजोशी से स्वागत किया।

इसके बाद अंशुल सिंह ने कोषागार में विधिवत रूप से कार्यभार ग्रहण किया और तत्पश्चात कोषागार के डबल लॉक, सिंगल

लॉक, सीसीएल, डीसीएल सहित अन्य अभिलेखों का गहन निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि प्रशासनिक कार्यों में पारदर्शिता और जिम्मेदारी सर्वोच्च प्राथमिकता होगी।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने इसके उपरांत कलेक्ट्रेट के विभिन्न पटलों का निरीक्षण किया। उन्होंने शिकायत कक्ष, भूमि अध्याप्त कक्ष, जिला विकास प्राधिकरण, स्टाम्प कक्ष, जनाधार कक्ष, भूमि अभिलेख कक्ष, अभिलेखाकार राजस्व अभिलेख एवं निर्वाचन कार्यालय आदि का निरीक्षण कर कार्यप्रणाली की जानकारी ली।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने अधिकारियों एवं कर्मचारियों से परिचय प्राप्त कर कहा कि हर अधिकारी जनता के प्रति जवाबदेह और संवेदनशील बने। उन्होंने स्पष्ट निर्देश दिए कि जनता के कार्यों में कोई भी शिथिलता बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने कहा कि जनपद का संतुलित और समग्र विकास उनकी प्राथमिकता होगी। उन्होंने कहा कि शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार, पेयजल और खेल गतिविधियों को मजबूत कर जनपद के युवाओं को नई दिशा देना हमारा लक्ष्य है। शासन की हर योजना का लाभ समय पर जनता तक पहुंचे, यह सुनिश्चित किया जाएगा।

कार्यभार ग्रहण करने से पूर्व जिलाधिकारी अंशुल सिंह ने चितई स्थित गोलू देवता मंदिर में पूजा-अर्चना कर जनपद की शांति, समृद्धि और खुशहाली की कामना की।

अंशुल सिंह के आगमन से जिले के अधिकारियों और कर्मचारियों में नई ऊर्जा और उत्साह का संचार देखा गया। जनता को भी उम्मीद है कि उनके नेतृत्व में अल्मोड़ा प्रशासन में नई कार्यसंस्कृति और विकास की गति देखने को मिलेगी।

आपदा चिकित्सा में एम्स ऋषिकेश की भूमिका सराहनीय:सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत

पथ प्रवाह,ऋषिकेश। विश्व आघात सप्ताह-2025 के समापन अवसर पर आयोजित कार्यक्रम में हरिद्वार सांसद एवं पूर्व मुख्यमंत्री त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि विषम भौगोलिक परिस्थितियों वाले उत्तराखंड में अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स ऋषिकेश) आपदा एवं ट्रॉमा चिकित्सा के क्षेत्र में जीवनरक्षक भूमिका निभा रहा है। उन्होंने कहा कि राज्य की भौगोलिक चुनौतियों को देखते हुए आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं का सुदृढ़ होना न केवल आवश्यकता है बल्कि यह ÷मानवता के प्रति समर्पण÷ का सर्वोच्च उदाहरण है। पूर्व मुख्यमंत्री और सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि प्राकृतिक आपदाओं, सड़क दुर्घटनाओं और आकस्मिक घटनाओं में घायल व्यक्तियों की जान बचाने में एम्स ऋषिकेश का ट्रॉमा एवं क्रिटिकल केयर विभाग

निरंतर उल्लेखनीय कार्य कर रहा है। उन्होंने विशेष रूप से हेली एम्बुलेंस सेवा की शुरुआत को ऐतिहासिक कदम बताते हुए कहा कि इस सेवा ने दुर्गम पहाड़ी क्षेत्रों के लोगों के लिए जीवनरक्षा की नई उम्मीद जगाई है।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि आपदा प्रबंधन केवल सरकारी या संस्थागत प्रयासों से सफल नहीं हो सकता। इसके लिए सिविल सोसाइटी, स्वयंसेवी संस्थाओं, युवाओं, और स्थानीय समुदायों की सक्रिय भागीदारी भी उतनी ही आवश्यक है। उन्होंने कहा कि यदि समाज आपात स्थितियों में प्राथमिक उपचार और जीवनरक्षा के उपायों के प्रति सजग हो जाए, तो अनेकों जीवन बचाए जा सकते हैं।

उन्होंने जोर देते हुए कहा– मानव सेवा ही सबसे बड़ा धर्म है। जब कोई संस्था या व्यक्ति संकट की घड़ी में जीवन बचाने का कार्य करता है, तो वह वास्तव में ईश्वर की सेवा करता है। एम्स ऋषिकेश की टीम इस भावना के साथ कार्य कर रही है, यह पूरे उत्तराखंड के लिए गर्व की बात है। कार्यक्रम में ट्रॉमा एवं क्रिटिकल केयर विभाग के विशेषज्ञों ने आपातकालीन चिकित्सा सेवाओं में नवीन तकनीकों, उपकरणों और उपचार विधियों की जानकारी साझा की। वक्ताओं ने बताया कि पर्वतीय राज्य में दुर्घटनाओं और आपदाओं के दौरान ÷गोल्डन आवर÷ (पहला महत्वपूर्ण घंटा) में त्वरित चिकित्सा सहायता से मृत्यु दर में उल्लेखनीय कमी आई है।

समापन सत्र में उत्कृष्ट सेवाएं देने वाले चिकित्सकों, नर्सिंग अधिकारियों, तकनीशियनों और अन्य स्वास्थ्यकर्मियों को प्रशस्तिपत्र एवं स्मृति-चिह्न प्रदान कर सम्मानित किया गया।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने एम्स प्रशासन को बधाई देते हुए कहा कि संस्थान ने उत्तराखंड ही नहीं, बल्कि पूरे उत्तर भारत में आपदा चिकित्सा के क्षेत्र में नई मिसाल कायम की है। उन्होंने कहा कि भविष्य में राज्य सरकार और केंद्र सरकार के सहयोग से ऐसी चिकित्सा सुविधाओं का और अधिक विस्तार किया जाएगा, ताकि उत्तराखंड के हर नागरिक को आपात स्थिति में समय पर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा मिल सके।

डीपीएस एल्डिको लखनऊ बना जोन-3 बास्केटबॉल चैंपियन, रानीपुर उपविजेता

डीपीएस रानीपुर के बास्केटबॉल कोर्ट में खेले गए बेहतरीन रोमांचक मुकाबले, 15 स्कूलों के खिलाड़ियों ने दिखाया जज्बा और जुनून

पथ प्रवाह, हरिद्वार

दिल्ली पब्लिक स्कूल रानीपुर के बास्केटबॉल कोर्ट पर शुक्रवार को हुआ जोन-3 ÷द डीपीएस बॉस्केटबॉल टूर्नामेंट ब्याएज (ओपन) 2025÷ का फाइनल मुकाबला किसी रोमांचक थ्रिलर से कम नहीं रहा। दमदार प्रदर्शन करते हुए डीपीएस एल्डिको लखनऊ ने मेजबान डीपीएस रानीपुर को 49-36 से हराकर खिताब अपने नाम कर लिया। लखनऊ की टीम ने पूरे टूर्नामेंट में शानदार तालमेल और आक्रामक खेल से सबको प्रभावित किया। वहीं, डीपीएस रानीपुर ने भी जबरदस्त जज्बे के साथ चुनौती पेश की और उपविजेता बनकर सबका दिल जीत लिया।

तीसरे स्थान के लिए आगरा ने दिखाई मजबूती

ब्रॉन्ज मेडल के मुकाबले में डीपीएस आगरा ने डीपीएस बरेली को 30-18 से हराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया। पूरे मैच के दौरान आगरा के खिलाड़ियों की फुर्ती और शॉटिंग ने दर्शकों से खूब तालियां बटोरीं।

ईशान बने टूर्नामेंट के स्टार खिलाड़ी

डीपीएस एल्डिको लखनऊ के खिलाड़ी ईशान ने टूर्नामेंट में सर्वाधिक अंक अर्जित कर ÷प्लेयर ऑफ द टूर्नामेंट÷ का खिताब जीता। उनके शानदार ड्रिब्लिंग, पासिंग और निर्णायक शॉट्स ने टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई।

मुख्य अतिथि वृंदा सरूप ने खिलाड़ियों का बढ़ाया उत्साह

समापन समारोह में मुख्य अतिथि श्रीमती वृंदा सरूप (आईएएस), भारत सरकार की पूर्व शिक्षा सचिव एवं चेयरपर्सन डीपीएस रानीपुर ने विजेताओं को ट्रॉफियां प्रदान कीं। उन्होंने कहा, ÷खेल जीवन का अनुशासन सिखाते हैं। असली विजेता वही है जो पूरे जोश, निष्ठा और टीम भावना के साथ मैदान में उतरता है। समारोह के दौरान समूह गायन, बैंड प्रस्तुति और रंगारंग नृत्य ने वातावरण को उत्सवमय बना दिया।

प्रधानाचार्य ने कहा - हार नहीं, सीख है खेल की असली जीत

विद्यालय के प्रधानाचार्य डॉ. अनुपम जग्गा ने कहा कि तीन दिवसीय टूर्नामेंट ने पूरे विद्यालय में ऊर्जा और उत्साह का माहौल बना दिया। उन्होंने कहा, खेल हार-जीत से परे है – यह अनुशासन, संघर्ष और निरंतर सीखने की भावना का उत्सव है। उन्होंने द डीपीएस सोसाइटी नई दिल्ली, अतिथियों, अभिभावकों, निर्णायक मंडल, रेफरीज़ और खेल विभाग के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया।

खेल विभाग की टीम रही आयोजन की रीढ़

टूर्नामेंट के सफल आयोजन में कमल चमोली, दीपक सैनी, संगीता पाल, रेनु रानी, राजेश मल्लाह, जनार्दन डूंगराकोटी, तान्या सिंह और राहुल का विशेष योगदान रहा। मंच संचालन कृष हंस और सीमा भारद्वाज ने किया।

समापन अवसर पर उपप्रधानाचार्य प्रशासन पविंदर सिंह, उपप्रधानाचार्या अकैडमिक अनुपमा श्रीवास्तव, हेडमिस्ट्रेस आरती बाटला सहित बड़ी संख्या में शिक्षक, छात्र और अभिभावक उपस्थित रहे।

मेहंदी प्रतियोगिता में पायल और दीया मेकिंग में जीवांशी चौहान रही अव्वल

स्वामी दर्शनानन्द इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी में दो दिवसीय दिवाली फैस्ट

पथ प्रवाह हरिद्वार।

स्वामी दर्शनानन्द इंस्टिट्यूट आफ मैनेजमेंट एण्ड टैक्नोलॉजी संस्थान में दो दिवसीय दिवाली फैस्ट का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान की निदेशक डॉ. जयलक्ष्मी, अशोक गौतम, ऋचा ओहरी, अंजुम सिद्दिकी, पंकज चौधरी आदि ने दीप प्रज्वलित कर किया।

कार्यक्रम का कोर्डिनेशन दिव्या राजपूत एवं विकास अग्रवाल ने किया। प्रथम दिवस पर बीएचईएल (सेंट्रल विजिलेंस कमीशन) द्वारा विजिलेंस आन करप्शन थीम पर पोस्टर कम्पीटिशन, वॉल पेंटिंग, बे डेकोरेशन एवं दीया मेंकिंग कम्पीटिशन कराया गया, जिसमें सभी छात्र-छात्राओं ने बढ़-चढ़ कर प्रतिभाग किया। पोस्टर मेंकिंग के द्वारा छात्र-छात्राओं ने यह संदेश दिया कि हमें भ्रष्टाचार के विरूद्ध सतर्क रहना चाहिए।

द्वितीय दिवस के कार्यक्रम में रंगोली, सोलो डांस, ग्रुप डांस आदि का आयोजन हुआ, जिसमें विजयी छात्र-छात्राओं को पुरूस्कार एवं प्रमाण पत्र वितरित किये। पुरूस्कार प्राप्त करने वाले छात्र-छात्राओं में मेहंदी कम्पीटीशन में पायल शर्मा, बी.सी.ए प्रथम वर्ष, दीया मेंकिग में जीवांशी चौहान, बीबीए तृतीय वर्ष, वॉल पेंटिग में तरणप्रीत, ईशु, दिव्या, श्रेया, बीसीए द्वितीय वर्ष, बे डेकोरेशन में अनिकेत, वासुदेव, चिनांश, राज बीसीए प्रथम वर्ष एवं रंगोली प्रतियोगिता में कनिका चौधरी बीबीए तृतीय वर्ष, ड्यूएट डांस में नेहा शर्मा एवं पायल शर्मा, बी0सी0ए0 प्रथम वर्ष सोलो डांस में आयुष सोलंकी बीबीए तृतीय वर्ष एवं दिव्या सक्सेना बीबीए तृतीय वर्ष रहें। इस अवसर पर अनुराग गुप्ता, धरणीधर वाग्ले, वर्षा रानी, सुधांशु जगता, त्रिशु अवस्थी, कशिश धीमान, ज्योति राजपूत, आशीष कुमार, उमेश, आशीष, देवेन्द्र रावत, दिलखुश, आंचल आदि उपस्थित रहे।

दीपावली पर वंचित परिवारों का करे सहयोग-बिरला

कोटा। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने रोशनी के पर्व दीपावली की लोगों को शुभकामनाएं देते हुए कहा है कि इस मौके वंचित परिवारों का सहयोग करना चाहिए। बिरला शुक्रवार को अपने सांगोद क्षेत्र के प्रवास के दौरान सांगोद नगर, देवली मांझी, सीमलिया और गढ़ेपान में क्षेत्रवासियों को दीपावली की शुभकामनाएं दी। दीपावली की रामा-श्यामी करने पहुंचे श्री बिरला ने कस्बों के प्रमुख बाजारों में व्यापारियों के साथ बाजार में खरीद करने आए आमजन को भी दीपावली की शुभकामनाएं दी साथ ही वरिष्ठजन का आशीर्वाद भी लिया। जगह-जगह पुष्पवर्षा और आतिशबाजी के बीच स्पीकर बिरला का स्वागत किया गया। उन्हों कार्यकर्ताओं के साथ संवाद में कहा कि दीपावली का पर्व खुशियां बांटने का भी अवसर है। हम अपने आस-पास ऐसे परिवारों को भी याद करें, जिन्हें हमारे सहयोग और स्नेह की आवश्यकता है। प्रयास करें कि इस दीपावली हमारे घरों के साथ-साथ उनके जीवन में भी उजियारा और मुस्कान पहुंच सके। इसके पूर्व मार्ग में कैथून, गलाना, खेड़ा रामपुर और कुराड़ एवं आजादपुरा में भी दीपावली की रामा-श्यामी की तथा समस्याएं सुनकर संबंधित अधिकारियों को समाधान के निर्देश दिए। इस अवसर पर राज्य के ऊर्जा मंत्री हीरालाल नागर भी मौजूद थे।

श्री बिरला पूर्व मंत्री भरत सिंह के पैतृक गांव कुंदनपुर पहुंचे जहां उन्होंने उनके परिजनों से भेंट कर संवेदनाएं व्यक्त की।

श्रीलंका की प्रधानमंत्री ने किया दिल्ली के सरकारी स्कूल का दौरा

नयी दिल्ली। श्रीलंका की प्रधानमंत्री डॉ. हरीनी अमरसूर्या ने शुक्रवार को यहां रोहिणी स्थित दिल्ली सरकार के सर्वोदय को-एड विद्यालय का दौरा कर सरकार की शिक्षा नीति की सराहना करते हुये कहा कि यह मॉडल विकासशील देशों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन सकता है।

डॉ. अमरसूर्या ने दिल्ली के शिक्षा मंत्री आशीष सूद के साथ रोहिणी स्थित दिल्ली सरकार के सर्वोदय को-एड विद्यालय का दौरा कर स्कूल की गतिविधियों, शिक्षा व्यवस्था, नयी शिक्षण प्रणाली के बारे में जानकारी ली। शिक्षा मंत्री ने डॉ. अमरसूर्या को दिल्ली के सरकारी स्कूलों में किये जा रहे संरचनात्मक बदलावों, अत्याधुनिक इंफ्रास्ट्रक्चर, स्मार्ट कक्षाओं, नई शिक्षण पद्धतियों तथा डिजिटल शिक्षा प्रणाली की विस्तृत जानकारी से अवगत कराया।

प्रधानमंत्री ने दिल्ली सरकार की शिक्षा नीति की सराहना करते हुए कहा कि यह मॉडल विकासशील देशों के लिए एक प्रेरणास्रोत बन सकता है। उन्होंने स्कूल के विद्यार्थियों और शिक्षकों से कई विषयों पर संवाद कर जानकारी ली। छात्रों ने उनके साथ अपने प्रोजेक्टस और डिजिटल लर्निंग के अनुभव साझा किये।

इस मौके पर श्री सूद ने कहा कि यह हमारे लिए गर्व का विषय है कि दिल्ली के सरकारी स्कूलों को देखने और इनकी शिक्षण व्यवस्था की जानकारी के लिए श्रीलंका की प्रधानमंत्री स्वयं आयी हैं। दिल्ली के सरकारी स्कूल आज दुनिया के लिए एक उदाहरण बन रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि हमारे लिए शिक्षा केवल रोजगार का ही नहीं बल्कि समाज में समानता और प्रगति का सबसे सशक्त माध्यम भी है।

शिक्षा मंत्री ने कहा कि डॉ. अमरसूर्या का यह दौरा भारत और श्रीलंका के बीच शिक्षा के क्षेत्र में सहयोग और संवाद को और मजबूत करेगा। दोनों देशों का यह साझा विश्वास है कि गुणवत्तापूर्ण शिक्षा ही किसी देश के विकास और प्रगति की नींव है।

श्री सूद ने यह भी कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मार्गदर्शन और मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में दिल्ली सरकार लगातार अपने विद्यालयों को भविष्य की चुनौतियों के अनुरूप तैयार कर रही है ताकि हर बच्चा आधुनिक शिक्षा, तकनीक और नयी शिक्षा प्रणाली से रूबरू हो सके।

उन्होंने यह भी बताया कि श्रीलंका की प्रधानमंत्री का इस स्कूल का यह दौरा केवल एक विद्यालय भ्रमण नहीं बल्कि दिल्ली की नयी शिक्षा पद्धति की सफलता का प्रतीक भी है इस दौरे से दक्षिण एशिया के दो लोकतांत्रिक देशों के बीच ज्ञान एवं सहयोग की नई दिशा की शुरूआत भी होगी।

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने ग्राम प्रधान बसंती देवी को किया निलंबित

पथ प्रवाह, हरिद्वार

हरिद्वार जनपद के लक्सर विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत अकौढ़ा खुर्द उर्फ अकौढ़ा मुकर्मतपुर की ग्राम प्रधान बसंती देवी को जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया है। यह कार्रवाई ग्राम पंचायत क्षेत्र के कश्यप बस्ती में सीसी सड़क निर्माण में घटिया सामग्री के उपयोग की शिकायतों और जाँच के दौरान अभिलेख प्रस्तुत न करने पर की गई है।

शिकायत के बाद शुरू हुई जाँच

ग्राम पंचायत में सीसी सड़क निर्माण कार्य में अनियमितता और घटिया सामग्री के प्रयोग की शिकायत मिलने पर जिलाधिकारी ने सहायक जिला पंचायत राज अधिकारी को जांच के निर्देश दिए थे। जांच के दौरान दो बार ग्राम प्रधान को नोटिस जारी कर संबंधित अभिलेख प्रस्तुत करने को कहा गया, किंतु प्रधान द्वारा निर्धारित समय सीमा में अभिलेख

उपलब्ध नहीं कराए गए।

उत्तराखंड पंचायतीराज अधिनियम का उल्लंघन

जिलाधिकारी कार्यालय से प्राप्त जानकारी के अनुसार, ग्राम प्रधान द्वारा अभिलेख प्रस्तुत न करना उत्तराखंड पंचायतीराज अधिनियम 2016 की धारा 133 के प्रावधानों का स्पष्ट उल्लंघन है। यह अधिनियम ग्राम प्रधानों को पंचायत से संबंधित अभिलेख और कार्यों की पारदर्शिता सुनिश्चित करने का दायित्व सौंपता है।

इसके साथ ही, अधिनियम की धारा 138 (1) में यह प्रावधान है कि यदि कोई प्रधान अपने कर्तव्यों के निर्वहन में अनाचार का दोषी पाया जाता है, अथवा अधिनियम के किसी उपबंध का उल्लंघन करता है, तो उसे विभागीय जांच की समाप्ति तक निलंबित किया जा सकता है।

कर्तव्यपालन में लापरवाही पर हुई कार्रवाई

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि ग्राम प्रधान द्वारा अभिलेख प्रस्तुत न करना कर्तव्यपालन में जानबूझकर की गई लापरवाही को दर्शाता है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह कार्रवाई उत्तराखंड पंचायतीराज अधिनियम 2016 की धारा 138 के तहत की गई है।

आदेश के अनुसार, श्रीमती बसंती देवी को अंतिम जांच में दोषमुक्त पाए जाने तक ग्राम प्रधान पद से निलंबित रखा जाएगा। इस अवधि में ग्राम पंचायत अकौढ़ा खुर्द उर्फ अकौढ़ा मुकर्मतपुर के प्रशासनिक कार्य और दायित्व पंचायत के निर्वाचित तीन सदस्यों की एक समिति को सौंपे जाएंगे।

पारदर्शिता और जवाबदेही पर प्रशासन सख्त

जिलाधिकारी मयूर दीक्षित ने कहा कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों की गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने के लिए प्रशासन पूरी तरह सतर्क है। किसी भी स्तर पर अनियमितता या शिथिलता पाए जाने पर कठोर कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जांच निष्पक्ष और शीघ्र पूरी की जाए, ताकि दोषी के खिलाफ आगे की कार्रवाई की जा सके।

बीएमडीएवी में खिलाड़ियों ने दिखाया अपनी प्रतिभा का हुनर, जीती प्रतियोगिता

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

डीएवी स्पोर्टस, डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली के तत्वावधान में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का भव्य एवं उत्साहपूर्ण आयोजन बीएमडीएवी पब्लिक स्कूल भूपतवाला हरिद्वार में किया गया। जिसमें उत्तराखंड के डीएवी विद्यालयों से छात्र - छात्राओं ने बढ़ चढ़ कर भाग लिया।

डीएवी की संस्थाओं का प्रयास बच्चों की समृद्ध शिक्षा के साथ-साथ उनका चहुंमुखी विकास करना है।

पद्मश्री डॉ.पूनम सूरी जी, प्रधान,डीएवी कॉलेज मैनेजिंग कमेटी, नई दिल्ली के मार्गदर्शन में यह आयोजन हुआ। उनका यह स्पष्ट मत है कि ÷मानसिक और आत्मिक विकास तभी संभव है जब शरीर स्वस्थ और सशक्त हो।÷ डीएवी संस्थाओं का उदेश्य सदैव विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास पर केंद्रित रहा है- जिसमें शिक्षा के साथ खेलकूद एवं शारीरिक विकास को भी समान महत्व दिया जाता है।

बच्चों में इसी खेल प्रतिभा को निखारने और राष्ट्रीय स्तर की टीम का चयन करने के लिए बीएम डीएवी पब्लिक स्कूल, भूपतवाला, हरिद्वार में राज्य स्तरीय खेल प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। पूरे आयोजन में खेल भावना,

जोश और सौहार्द की झलक स्पष्ट रूप से दिखाई दी। जिसमें उत्तराखंड के आठ डीएवी विद्यालयों जोन 'ए' (बीएम डीएवी हरिद्वार, डीएवी जगजीतपुर, डीएवी देहरादून, डीएवी कोटद्वार) और जोन 'बी' (डीएवी काशीपुर, डीएवी हल्द्वानी, डीएवी बाजपुर, डीएवी रुद्रपुर) के लगभग 166 प्रतिभागियों ने पूरे जोश और उत्साहपूर्ण प्रतिभाग किया। जिसमें टेबल टेनिस, ताइक्वांडो, वूशु, कराटे और योगा खेल शामिल रहे।

ध्वजारोहण एवं शपथ समारोह से कार्यक्रम का शुभारंभ: ध्वजारोहण के पश्चात डीएवी गान से प्रांगण गुंजायमान हो उठा। विद्यालय की हेड गर्ल श्रेया पडियारी और हेड बॉय युवराज ने सभी खिलाड़ियों को ईमानदारी, अनुशासन और एकता की भावना से खेलने की शपथ दिलाई। खिलाड़ियों के मार्च पास के बाद सभी खिलाड़ियों ने ईमानदारी, लगन, कर्मठता व मानसिक सुदृढ़ता के बल पर राज्य स्तर पर विजय प्राप्त करने और राष्ट्रीय स्तर पर उत्तराखंड की पहचान को दर्ज कराने का संकल्प लिया। बीएम डीएवी पब्लिक स्कूल की प्रधानाचार्या लीना भाटिया ने कहा कि - ÷खेल सबके भीतर छुपी प्रतिभा को निखारने का एकमात्र तरीका है। खेल सभी को चरित्रवान बनाते हैं तथा नियमों का अनुसरण कर यह आपको यह जानना सिखाते हैं कि जीतने के लिए संघर्ष कितना आवश्यक है।

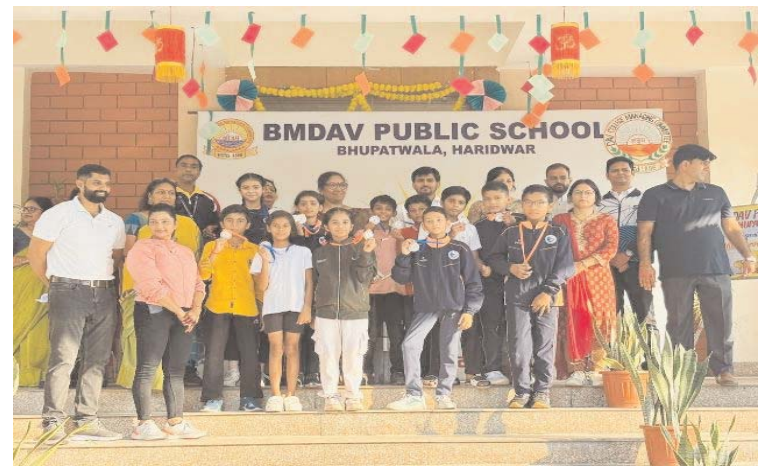

उन्होंने कहा कि- खेलों में भाग लेने से मानसिक स्वास्थ्य को बढ़ावा मिलता है, तनाव और चिंता कम होती है और साथ ही आत्म-सम्मान और आत्मविश्वास बढ़ता है। खेल व्यक्तिगत विकास और आत्म-खोज के अवसर प्रदान करते हैं, जिससे छात्रों को अपनी क्षमता तलाशने और अपनी सीमाओं से आगे बढ़ने का मौका मिलता है।

डीएवी क्लस्टर के निर्णायक मंडल की अध्यक्षता में सभी खेलों के परिणाम घोषित किए गए। इस खेल महोत्सव के सभी खेलों में विभिन्न आयु वर्ग के सभी छात्र - छात्राओं ने 120 स्वर्ण पदक, 30 रजत पदक और 16 कांस्य पदक प्राप्त किए। सभी छात्रों के उत्साह व जोश भरे स्वर से प्रांगण गुंजायमान हो गया।

खोए मोबाइल वापस देकर हरिद्वार पुलिस ने दिया दिवाली का गिफ्ट

पथ प्रवाह हरिद्वार। हरिद्वार पुलिस ने दिवाली पर जनता को दिवाली का स्पेशल गिफ्ट दिया है। सिडकुल थाना पुलिस ने दिवाली से पहले 32 मोबाइल लौटाकर लोगों का दिल जीत लिया। इससे पहले नवरात्रि में भी लौटाए थे 70 मोबाइल फोन। ऑपरेशन रिकवरी के तहत हरिद्वार पुलिस को यह बड़ी कामयाबी मिली है। पुलिस ने करीब 8 लाख की कीमत के 32 मोबाइल फोन बरामद किये हैं। ये फोन एएसपी जितेंद्र चौधरी ने अपने हाथों से वापस लौटाए। एसएसपी हरिद्वार के निर्देश पर ऑपरेशन रिकवरी के तहत चोरी/खोए मोबाइल की बरामदगी के लिए गठित सीईआईआर पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई करने हेतु निर्देशित किया गया है। कार्यवाही करते हुए थाना सिडकुल पुलिस द्वारा CEIR पोर्टल के माध्यम से खोये हुए 32 मोबाइल फोन की रिकवरी करते हुए बड़ी सफलता हासिल की। बरामद मोबाइलों में से कुछ फोन बाहरी राज्यों से जनपद हरिद्वार में रोजगार के लिये आये सिडकुल स्थित कम्पनियों के कर्मचारियों आदि के तथा कुछ फोन स्थानीय निवासियों के हैं। जिनकी कीमत लगभग 8 लाख रुपये से अधिक आंकी गई है। अपने खोये हुये मोबाइल फोन वापस मिलने की उम्मीद छोड़ चुके पीड़ितों के चेहरों पर थाना सिडकुल पुलिस के द्वारा अपने अथक प्रयासों से मुस्कान लायी गयी। जिसपर जनता द्वारा हरिद्वार पुलिस के इस कार्य की भूरी-भूरी प्रशंशा की गयी। पुलिस टीम में ASP निशा यादव IPS, ASP जितेंद्र चौधरी IPS, थानाध्यक्ष नितेश शर्मा, हेड कांस्टेबल विवेक यादव, हेडकांस्टेबल देवेन्द्र चौधरी, महिला कांस्टेबल निधि शामिल रही।

एचईसी कॉलेज में दीवाली कार्निवल-2025 की धूम, प्रिंस ने जीता मिक्सर ग्राइंडर

पथ प्रवाह हरिद्वार।

एचईसी ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशन्स, हरिद्वार में दीवाली कार्निवल-2025 का आयोजन क्लचरल क्लब के द्वारा किया गया। कार्यक्रम का शुभारम्भ संस्थान के चेयरमैन संदीप चौधरी, वाईस चेयरमैन अमित चौधरी व प्राचार्या डॉ. तृप्ति अग्रवाल द्वारा किया गया। कॉलेज प्रांगण को रंग बिरंगी लाईटों, फूलों, दीयो और रंगोलियों से सजाया गया।

छात्रों ने विभिन्न प्रकार के व्यंजन गोलगप्पे, चाट, शेक, जूस, मोमोज, भेलपूरी, फ्रुट चॉट, मिठाई, ढोकला आदि के स्टॉल लगाये। छात्रों द्वारा बहुत ही आकर्षक हैण्डीक्राफट का सामान व पैन्टिंग आदि के स्टॉल लगाये, जहां पर सभी ने जमकर खरीदारी की। छात्राओं ने सेल्फी प्वाइण्ट पर सैल्फी ली। दीवाली कार्निवाल में रंगोली, फूड फिएस्ट आदि प्रतियोगिता का आयोजन कॉलेज के अन्य क्लबों द्वारा स्टॉल डेकोरेशन, दीयों की सजावट आदि के कार्यक्रम रखे गये।

रंगोली प्रतियोगिता में विभिन्न पाठ्यक्रमों के 10 ग्रुपों के छात्रों ने इसमें प्रतिभाग किया। बहुत ही सुन्दर व उत्कृष्ट रंगोली तैयार की गयी जिसमें निर्णायक मण्डल द्वारा स्वास्तिक क्रिएशन ग्रुप के सारिका, एलिएम जॉर्ज को प्रथम स्थान, रंग बहार ग्रुप के वर्षा एवं प्रीती ग्रुप को द्वितीय स्थान एवं सांस्कृतिक शेड्स ग्रुप के आरूषि व मानसी को तृतीय स्थान से नवाजा गया। फूड स्टॉल प्रतियोगिता में अनीषा, गार्गी के पॉव भाजी स्टॉल को प्रथम, ऐश्वर्या, शिवांग के शेक स्टॉल को द्वितीय एवं

दिव्या, उज्जवल के अप्पे/सैंडविच स्टॉल को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। आर्ट गैलरी में प्रथम स्थान सान्या शर्मा व द्वितीय स्थान काजल व सलोनी को प्राप्त हुआ। रैम्प वॉक प्रतियोगिता में आरजू प्रथम, ममता द्वितीय व अन्नया को तृतीय स्थान प्राप्त हुआ। संस्थान के क्लबों में रिसर्च एवं डैवलपमैन्ट क्लब को प्रथम व टैक्नोमाईन्ड को द्वितीय व स्पोर्टस क्लब ने तृतीय स्थान हासिल किया। डांस प्रतियोगिता में साक्षी प्रथम व मन्नु ने द्वितीय व कोमल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लक्की ड्रॉ में भाग्यशाली विजेताओं में प्रथम पुरूस्कार जूसर मिक्सर ग्राइण्डर प्रिंस रावत ने जीता, द्वितीय पुरूस्कार इंडक्शन कशिश व दिव्यांश ने जीता, तृतीय पुरूस्कार इलैक्ट्रिर्क गीजर रसिका, अंकुर, आयूष ने जीता, संतावना पुरूस्कार इलैक्ट्रिर्क प्रैस मन चौहान, सृष्टि, अनमोल, प्रिंस, शुभम, रिया, शिवांग ने जीता।

कॉलेज के चेयरमैन संदीप चौधरी ने इस अवसर पर सभी को दीपावली की शुभकांमनायें दी और कहा कि यह पर्व केवल रोशनी का ही नहीं बल्कि सांस्कृतिक एकता व सकारात्मक उर्जा का प्रतीक है, साथ ही उन्होनें सभी फैकल्टी एवं स्टॉफ को सफल आयोजन के लिये बधाई दी।

क्रार्यक्रम कॉलेज के 'कल्चरल क्लब' द्वारा आयोजक टीम में समन्वयक रितु मोदी, वन्दना, मनीष, वैष्णवी एवं कशिश, दिव्यांश, एंश्वर्य, शिवांग व प्रतीक शामिल थे। इस आयोजन में उमराव सिंह, ललित जोशी दीपशिखा बोहरा, डॉ. पूजा मिश्रा, मिनाक्षी सिंघल, अकांक्षा, पूजा, सुनीति त्यागी, सपना सकलानी, नुपुर शर्मा, साक्षी, गौरव, डॉ. निधी वर्मा, डॉ. निधी जोशी, राहुल शर्मा, अशोक कुमार, दीपाली अग्रवाल, डॉ. राहुल, राजा मनीष व छात्र/छात्रायें उपस्थित थे।

संपादकीय

दीपावली की रौनक खोते बाजार: महंगाई और ऑनलाइन की मार

हरिद्वार और उत्तराखंड के अन्य शहरों के बाजार इस दीपावली पर अपेक्षित रौनक खोते नजर आ रहे हैं। मोदी सरकार द्वारा स्वदेशी उत्पादों को बढ़ावा देने के व्यापक प्रयास और वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण द्वारा जीएसटी में राहत देने के बावजूद स्थानीय दुकानदार अपने स्टॉल पर खाली बैठे हैं। यह स्थिति यह दर्शाती है कि केवल नीति या प्रचार से बाजारों में उत्साह नहीं लौटाया जा सकता; इसके लिए ग्राहक व्यवहार और आर्थिक हालात को भी ध्यान में रखना आवश्यक है। महंगाई के लगातार बढ़ते दबाव ने आम नागरिकों की खरीददारी को प्रभावित किया है। लोग अब लक्जरी वस्त्र, गहने और उच्च मूल्य वाले उत्पाद खरीदने से परहेज कर रहे हैं और अपनी प्राथमिकता जरूरत के सामान पर केंद्रित कर रहे हैं। सोने की कीमत आसमान छू रही है, जिससे आभूषण खरीदने वालों के अरमान जमीन पर तैर रहे हैं। वहीं, दोपहिया वाहनों की बिक्री में जबरदस्त उछाल देखा गया है, क्योंकि यह व्यक्तिगत और पारिवारिक जरूरतों के लिहाज से सस्ती और सुविधाजनक विकल्प बनी हुई हैं। दूसरी ओर कार जैसी महंगी खरीदारी से लोग किनारा कर रहे हैं। हरिद्वार के बाजारों में दुकानदारों का स्टॉक भरा हुआ है, लेकिन ग्राहक ऑनलाइन शॉपिंग की ओर तेजी से आकर्षित हो रहे हैं। डिजिटल प्लेटफॉर्म पर छाए आकर्षक ऑफ़र, आसान रिटर्न पॉलिसी और घर बैठे डिलीवरी जैसी सुविधाओं ने पारंपरिक बाजारों की बिक्री को प्रभावित किया है। इससे साफ हो गया है कि ग्राहक अब केवल उत्पाद नहीं, बल्कि सुविधा और अनुभव भी खरीद रहे हैं।

विशेषज्ञों का कहना है कि यह प्रवृत्ति केवल हरिद्वार तक सीमित नहीं है, बल्कि पूरे उत्तराखंड और देशभर के छोटे-बड़े शहरों में देखने को मिल रही है। दीपावली जैसे उत्सवों पर भी ग्राहक अब पारंपरिक बाजारों की बजाय ऑनलाइन प्लेटफॉर्म का सहारा ले रहे हैं, जिससे दुकानदारों के लिए चुनौती और अवसर दोनों बढ़ गए हैं।

इस स्थिति का एक सकारात्मक पहलू यह है कि महंगाई और ऑनलाइन विकल्पों के चलते ग्राहक सौदेबाजी और मूल्य तुलना में अधिक सचेत हो गए हैं। वहीं, दुकानदारों के लिए यह समय डिजिटल मार्केटिंग और ई-कॉमर्स प्लेटफॉर्म के माध्यम से अपनी उपस्थिति मजबूत करने का अवसर भी प्रदान करता है। अगर स्थानीय व्यापारी ग्राहक की बदलती प्राथमिकताओं के अनुरूप उत्पाद, मूल्य और सुविधा को अपडेट करते हैं, तो दीपावली की रौनक न केवल ऑनलाइन बल्कि बाजारों में भी लौट सकती है।

अंततः यह स्पष्ट हो गया है कि आज के उपभोक्ता केवल वस्तु नहीं, बल्कि सुविधा, अनुभव और मूल्य खरीद रहे हैं। दीपावली जैसे त्योहारों पर भी यह प्रवृत्ति बाजार के भविष्य की दिशा तय कर रही है। यदि दुकानदार समय रहते खुद को डिजिटल युग और बदलते आर्थिक परिदृश्य के अनुरूप ढालते हैं, तभी वे दीपावली की वास्तविक रौनक और बिक्री में मजबूती दोनों सुनिश्चित कर पाएंगे।

धनतेरस धन के भौतिक एवं आध्यात्मिक समन्वय का पर्व

ललित गर्ग

धनतेरस का पर्व पंच दिवसीय दीपोत्सव की पवित्र श्रृंखला का आरंभिक द्वार है। यह केवल सोना-चांदी, वस्त्र या बर्तन खरीदने का शुभ दिन नहीं, बल्कि धन के प्रति हमारी सोच को पुनर्संतुलित करने का अवसर है। भारतीय संस्कृति में धन को सदैव देवी लक्ष्मी का प्रतीक माना गया है, परंतु यह पूजन केवल भौतिक संपदा का नहीं, बल्कि धन के नैतिक, सामाजिक और आध्यात्मिक उपयोग का भी प्रतीक है। ऋषि-मुनियों ने धन को केवल मुद्रा नहीं, बल्कि एक ऊर्जा माना है। उपनिषदों में कहा गया है-÷धनं मूलं सर्वेषां साधनानाम्÷, अर्थात धन सभी साधनों का मूल है, परंतु वही धन शुभ है जो धर्म-संयम से अर्जित और लोककल्याण में नियोजित हो। धनतेरस हमें याद दिलाता है कि धन केवल संग्रह का नहीं, उपयोग का विषय है। धन का सही उपयोग ही उसे 'लक्ष्मी' बनाता है, अन्यथा वह 'अलक्ष्मी'-अशांति और विषमता का कारण बन जाता है। कार्तिक मास के कृष्ण पक्ष की त्रयोदशी तिथि को धनतेरस मनाया जाता है। इस तिथि को धनत्रयोदशी के नाम से भी जाना जाता है। इस दिन बर्तन, सोना-चांदी खरीदना शुभ माना जाता है। भगवान धन्वंतरि को आयुर्वेद का जनक माना जाता है। ऐसे में यह दिन धन्वंतरि को समर्पित किया गया है।

भारतीय संस्कृति में स्वास्थ्य को सबसे बड़ा धन कहा गया है। भगवान धन्वंतरि को भगवान विष्णु का अंश माना गया है, जिन्होंने मानव समाज को चिकित्सा विज्ञान (आयुर्वेद) का ज्ञान दिया। इसी कारण धनतेरस के दिन देशभर में वैद्य समाज भगवान धन्वंतरि जयंती के रूप में उनकी पूजा करता है। धनतेरस का ऐतिहासिक महत्व समुद्र मंथन की पौराणिक कथा से जुड़ा है, जब भगवान धन्वंतरि अमृत कलश लेकर प्रकट हुए थे, इसलिए इसे 'धनत्रयोदशी' भी कहते हैं। यह त्योहार भगवान धन्वंतरि को समर्पित है, जिन्हें आयुर्वेद और चिकित्सा का देवता माना जाता है, और धन एवं समृद्धि के देवता भगवान कुबेर की भी पूजा की जाती है। भारत सरकार ने धनतेरस को राष्ट्रीय आयुर्वेद दिवस के रूप में मनाने का निर्णय लिया है। इसी के साथ इस दिन यम दीपक जलाने का भी विधान है। जिसे दीपदान भी कहा जाता है। एक अन्य मान्यता के अनुसार, यमराज से अपनी रक्षा करने के लिए इस दिन यमदीपदान किया जाता है। एक कथा के अनुसार, एक राजा के पुत्र को साँप के काटने से मृत्यु होने की भविष्यवाणी थी, जिसे उसकी पत्नी ने दीप और सोने-चाँदी के ढेर लगाकर यमराज को दूर रखने में सफल हुई। जैन आगम में धनतेरस को 'धन्य तेरस' या 'ध्यान तेरस' भी कहते हैं।

प्राचीन भारत में धन का वितरण और उपयोग धर्म और नीति के साथ जुड़ा हुआ था। व्यापारी 'लाभ' में भी 'लोक-लाभ' देखते थे। राजा अपने धन को जनकल्याण, सिंचाई, शिक्षा और सुरक्षा में लगाते थे। किन्तु आधुनिक युग में, विशेषतः पूंजीवादी व्यवस्था के प्रसार के बाद, धन का स्वरूप विकृत हुआ है। धन साधन से लक्ष्य बन गया है। इसके परिणामस्वरूप समाज में अमीरी-गरीबी की खाई, शोषण, और भ्रष्टाचार बढ़ा है। आज एक ओर अरबपतियों की गिनती बढ़ रही है, वहीं दूसरी ओर करोड़ों लोग रोटी और दवा के अभाव में जीवन गुज़ार रहे हैं। धनतेरस का पर्व इस विडंबना पर आत्ममंथन का अवसर है। यह हमें पुकारता है कि हम धन को केवल अपनी तिजोरी का नहीं, बल्कि समाज की समृद्धि का माध्यम बनाएं। लोकमान्यता के अनुसार यह भी कहा जाता है कि इस दिन धन (वस्तु) खरीदने से उसमें तेरह गुणा वृद्धि होती है। इस अवसर पर लोग धनियाँ के बीज खरीद कर भी घर में रखते हैं। दीपावली के बाद इन बीजों को लोग अपने बाग-बगीचों में या खेतों में बोते हैं। धनतेरस के दिन चाँदी खरीदने की भी प्रथा है, चांदी शुद्धता की प्रतीक है यहीं शुद्धता इंसानी जीवन में आये, यही इस पर्व का उद्घोष है। महात्मा गांधी ने कहा था-÷पैसा अपने आप में बुरा नहीं है, परंतु जब वह मनुष्य का स्वामी बन जाता है, तब वह विनाश का कारण बनता है।÷ धनतेरस का सच्चा संदेश यही है- धन का स्वामी बनो, उसका दास नहीं। धन के प्रति सकारात्मक दृष्टि का अर्थ है उसे साधना, सेवा और संस्कार से जोड़ना। आज आवश्यकता है कि हम धन को साझा समृद्धि, सामाजिक उत्तरदायित्व और मानवीय करुणा के उपकरण के रूप में देखें। आज विश्व अर्थव्यवस्था की सबसे बड़ी चुनौती समान अवसरों का अभाव है। धनतेरस का यह अवसर सरकारों को भी यह संदेश देता है कि वे विकास के लिए धन का न्यायपूर्ण वितरण सुनिश्चित करें। राजकोषीय नीतियाँ केवल अमीर वर्ग के लाभ के लिए नहीं, बल्कि गरीबों के सशक्तिकरण एवं कल्याण के लिए हों। धन की प्रवाह प्रणाली में नैतिकता, पारदर्शिता और संवेदना का समावेश आवश्यक है। आचार्य श्री महाप्रज्ञ ने भी धन के प्रति एक नया दृष्टिकोण प्रस्तुत किया था। उन्होंने भगवान महावीर के आर्थिक दर्शन को आधुनिक संदर्भों में व्याख्यायित करते हुए 'महावीर का अर्थशास्त्र' नामक एक महत्वपूर्ण पुस्तक लिखी। आचार्य महाप्रज्ञ ने स्पष्ट किया कि धन का अर्जन और उपयोग दोनों ही अहिंसक, नैतिक और संयमित होने चाहिए। उनके अनुसार धन तभी सार्थक है जब वह आत्मविकास, समाजकल्याण और न्यायपूर्ण व्यवस्था का साधन बने। उन्होंने महावीर के अर्थशास्त्र में बताया कि ÷धन की मर्यादा उसका त्याग नहीं, उसका संयम है।÷ यह विचार धनतेरस के मूल भाव को ही पुष्ट करता है कि धन को नकारा नहीं जाए, बल्कि उसे लोकमंगल में प्रवाहित किया जाए।

भगवान राम के देश में तालिबानी सोच नहीं

संजय गोस्वामी

अभी भारत में तालिबान के विदेश मंत्री का भारत आना ऐ मेरे सोच से परे है आप खुश हो रहें होंगे कि पाकिस्तान को ठोक रहा है मैं दुःखी इसलिए हो रहा हूँ कि हमारा देश भगवान राम के विचारों पर चलने वाला है हमारी खुद की 140 करोड़ भारतीय का लोकतान्त्रिक देश है हम मर सकते हैं लेकिन भगवान राम के विचारों से भटक नहीं सकते इसलिए महिला पत्रकार का अपमान भी हुआ देखिए आज आपको सही लगेगा लेकिन विचार को बदलना इतना आसान नहीं है आज न कल वो आपके लिए ही एक दिन सर दर्द साबित होगा आज धर्म की नहीं विचारधारा की लड़ाई है धर्म में कहाँ मानव बम बनाना सिखाया गया है जब की उसके आजादी के दिन मानव बम को भी प्रदर्शित किया जाता है कंधार प्लेन हाय जेक कहाँ हुआ था बाद में सब एक हो जायेंगे और आप खुद ही आतंकवादी का शिकार हो सकते हैं क्योंकि वहाँ अफगानिस्तान में ओसामा बिन लादेन जैसा कट्टरपंथी आतंकवादी था अतः आप देश की विचाधारा को समझें और शांति के रास्ते पर चले भगवान राम की मर्यादा का पालन करें भगवान दीपावली में अयोध्या में भगवान राम के 14 वर्ष वनवास के बाद रावण को अन्त कर सभी भारतवासी को यह संदेश दिया कि संघर्ष, सेवा और त्याग से ही बुराई का अन्त किया जा सकता है कई ऐतिहासिक महाकाव्यों में भगवान श्री राम को भारत की संस्कृति की आत्मा माना जाता है, जिनमें समझने और उसे अपने ऊपर लागू करने से उनके अनगिनत मनोवैज्ञानिक प्रभाव निहित हैं जो हर परिस्थिति में संघर्ष और आगे बढ़ने का मार्ग दिखाता है । इतिहास में , रामायण और श्रीमद्भगवद्गीता धार्मिक समझ और विश्वासों का मूल रहे हैं और साथ ही कठिन समय में मानव जाति का मार्गदर्शन भी किया है। रामायण के नायक भगवान राम हैं, जिन्हें सम्मानपूर्वक मर्यादा पुरुषोत्तम कहा जाता है, जिसका अर्थ है एक मज़बूत नैतिक आधार दिया । जनता के बीच, 14 साल के वनवास से अयोध्या लौटने के बाद माता सीता द्वारा दी गई अग्निपरीक्षा के बारे में एक बड़ी भ्रांति है। अरण्य कांड, दोहा 23 के अंश स्पष्ट रूप से बताते हैं कि अग्नि परीक्षा कोई परीक्षा नहीं थी, बल्कि यह वनवास के दौरान बाहरी खतरों से माता सीता की सुरक्षा के लिए एक सुनियोजित रणनीति थी। पूर्व वनवास काल में एक ऐसा ही प्रसंग घटित हुआ था जो है कि सहमति से, माता सीता ने अग्नि में प्रवेश किया था और बाहरी दुनिया के विश्वास के लिए उनका केवल एक छाया भाग ही बचा था। यहाँ तक कि लक्ष्मण को भी इस विचार से अनजान रखा गया था। अंश इस प्रकार है- सुनो, मेरे प्रिय, तुम मेरे प्रति निष्ठा के पवित्र व्रत में दृढ़ रहे हो और आचरण में इतने सदाचारी हो- मैं एक सुंदर मानवीय भूमिका निभाने जा रहा हूँ। जब तक मैं राक्षसों का विनाश पूरा नहीं कर लेता, तब तक अग्नि में रहो। भगवान राम ने जैसे ही उसे सब कुछ विस्तार से बताया, उसने भगवान के चरणों की छवि अपने हृदय पर अंकित कर ली और अग्नि में प्रवेश कर गई, और भगवान के साथ केवल अपनी एक परछाई छोड़ गई हालाँकि वह बिल्कुल वैसी ही थी, वैसी ही सौम्य और कोमल स्वभाव। लक्ष्मण को भी यह रहस्य नहीं पता था कि भगवान ने परदे के पीछे क्या किया था।÷ (रामचरितमानस, अरण्यकांड, दोहा- 23) भगवान राम की शानदार विजय और अयोध्या वापसी के बाद, दूसरी अग्निपरीक्षा - जिसे इस बार स्त्रीत्व और सत्य की पवित्रता सिद्ध करने की परीक्षा के रूप में देखा गया - बुलाई गई। हालाँकि इसे सार्वजनिक रूप से अग्निपरीक्षा कहा जाता है, लेकिन इसे भगवान राम की माँग के प्रभाव से उत्पन्न माँग के रूप में देखा जाता है, लेकिन वास्तव में, जनता को अरण्यकांड के दौरान पहले वाले प्रकरण के बारे में पता नहीं था, जैसा कि ऊपर वर्णित है। जैसा कि लंकाकांड के दोहा 107 और 108 में अग्निपरीक्षा का वर्णन करते हुए कहा गया है- सीता (यह स्मरण रहेगा) पहले अग्नि में समाहित थीं अब उन्हें वापस प्रकाश में लाने का प्रयास कर रहे थे। (रामचरितमानस, लंका कांड, चौपाई 107) ÷सीता ने, हालाँकि, भगवान की आज्ञा को नमन किया - वे मन, वचन और कर्म से शुद्ध थीं - और कहा, ÷लक्ष्मण, इस पवित्र अनुष्ठान को करने में एक पुरोहित के रूप में मेरी सहायता करें और शीघ्र ही मेरे लिए अग्नि प्रज्वलित करें।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 : सत्ता,रणनीति और जाति की नई बिसात

विनोद कुमार सिंह

दो दशक बाद बिहार में सत्ता समीकरणों की नई पटकथा छोटे दलों के सामने बड़े खिलाड़ी नतमस्तक,नीतीश की पकड़ ढीली,बीजेपी की चालें गहरी

बिहार का यह पहला चुनाव होगा,जब लगातार बीस वर्षों तक सत्ता में रहने के बाद भी बीजेपी और जेडीयू - दोनों ही अपने अब तक के सबसे कम सीटों पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। आप को बता दे कि सन 2003 में जदयू की स्थापना के बाद पार्टी ने 2005 में 138 सीटों पर,2010 में 141 सीटों पर,2015 में 101सीटों पर(राजद के साथ गठबंधन में),और 2020 में 115 सीटों पर बीजेपी के साथ चुनाव लड़ा था,लेकिन 2025 में यह संख्या घटकर करीब 84 सीटों तक सीमित रह गई है।यानी 20 वर्षों के शासन के बाद भी नीतीश कुमार की जदयू का सीट शेयरिंग अनुपात करीब 27% घट गया है।दूसरी ओर, बीजेपी जैसी राष्ट्रीय पार्टी को भी अपने सहयोगी दलों के दबाव में सीटों का त्याग करना पड़ा है।2005 में वह 101 सीटों, 2010 में 102, 2015 में जब नीतीश उनके साथ नहीं थे तो 157 सीटों पर उतरी,2020 में 110 सीटों पर और अब 2025 में फिर घटकर 101 सीटों पर आ गई है। येआंकडा दिखाता है कि सत्ता में साझेदारी का अनुपात कम होने के बावजूद,बिहार की राजनीति में जाति और क्षेत्रीय समीकरण आज भी निर्णायक हैं।बिहार की राजनीति का यह दिलचस्प पहलू है कि यहाँ राष्ट्रीय पार्टियाँ जातीय समीकरणों के आगे झुकती रही हैं।बीजेपी और जेडीयू को इस बार भी चिराग पासवान (एलजेपीरामविलास),जीतन राम मांझी(हम),उपेंद्र कुशवाहा(आरएलएम)और मुकेश सहनी (वीआईपी)जैसे छोटे लेकिन जाति- आधारित दलों से समझौता करना पड़ा है।इन सभी दलों ने अपनी-अपनी जातियों को राजनीतिक रूप से संगठित कर,एक ऐसा वोट बैंक बना लिया है जिसमें राष्ट्रीय पार्टियाँ सेंध नहीं लगा पाईं।यही कारण है कि बीजेपी और जेडीयू जैसी बड़ी पार्टियाँ इन्हें साथ रखे बिना सत्ता तक पहुँचने की कल्पना भी नहीं कर सकतीं।1990 के दशक में लालू प्रसाद यादव ने ÷जाति ही पहचान है÷ का जो नारा दिया था,उसने बिहार की राजनीति की दिशा ही बदल दी थी।आज भी बिहार में वही जातीय गणित सत्ता की चाबी तय करता है।बस चेहरे बदल गए हैं, लेकिन जाति का समीकरण जस का तस कायम है।1995 के बाद से बिहार की राजनीति में जो स्थायी पैटर्न उभरकर आया है,यहाँ मुकाबला दो दलों के बीच नहीं बल्कि दो गठबंधनों के बीच होता है।2020 के विधानसभा चुनाव के नतीजे इसका प्रमाण हैं - राजद को मिले 23.1% वोट,भाजपा को 19.5%,जदयू को 15.4%,

कांग्रेस को 9.5% वोट,जबकि छोटे दलों ने मिलकर 23.9% वोट बटोरे।यह आँकड़ा बताता है कि छोटे दल भले अकेले सत्ता में न आएँ,लेकिन बड़े दलों का खेल जरूर बिगाड़ देते हैं।वे बिखरे हुए वोटों को जोड़कर किसी गठबंधन को बढ़त दिला सकते हैं।यही वजह है कि बिहार की राजनीति में छोटे क्षेत्रीय दल ÷किंगमेकर÷ बन चुके हैं।छोटे दल,बड़ी भूमिका-जाति के गणित से सत्ता की रचना चिराग पासवान की एलजेपी (रामविलास)दलितों और विशेषकर पासवान समुदाय की राजनीतिक आवाज़ है।जीतन राम मांझी की 'हम'(हिंदुस्तानी अवाम मोर्चा)मुसहर और अनुसूचित जातियों के बीच प्रभाव रखती है।उपेंद्र कुशवाहा की 'आरएलएम '(राष्ट्रीय लोक जनशक्तिमोर्चा) कोइरी- कुशवाहा वर्ग की आवाज़ है,तो मुकेश सहनी की 'वीआईपी' निषाद समाज का प्रतिनिधित्व करती है।इन चारों नेताओं ने अपनी जातियों को राजनीतिक चेतना दी,और यही चेतना अब गठबंधन की अनिवार्यता बन गई है।बीजेपी और जेडीयू के रणनीतिकारों को यह पता है कि बिना इन जातीय दलों के,वोटों का अंकगणित जीत में तब्दील नहीं हो सकता।बीजेपी ने इस बार बहुत खामोशी और चालाकी से बिहार में अपनी राजनीतिक बिसात बिछाई है।उसने नीतीश कुमार को छह इंच छोटा कर दिया -यानी जदयू की सीटें घटाईं,और अपने सहयोगियों को ऐसी स्थिति में ला दिया कि वे दो- तीन सीटों से ज़्यादा न जीत पाएं, ताकि बाद में उनके साथ समझौता आसान हो।बीजेपी ने संजय झा जैसे नेताओं के ज़रिए जदयू में सेंध भी लगा दी है।अब स्थिति यह है कि उम्मीदवार चयन में भी बीजेपी का अंतिम फैसला होगा।यानी चुनाव के बाद अगर जेडीयू सत्ता में रहती भी है,तो उसका नियंत्रण नीतीश कुमार के नहीं,बल्कि बीजेपी के हाथों में होगा।

नीतीश के पास तब दल बदलने की भी हैसियत नहीं बचेगी, क्योंकि उनके अधिकांश सांसद पहले से ही बीजेपी के संपर्क में बताए जाते हैं।यहाँ तक कि केंद्र सरकार पर भी नीतीश का कोई दबाव नहीं रह जाएगा।मोदी के हनुमान या नीतीश के शत्रु बीजेपी ने इस चुनाव में चिराग पासवान को 29 सीटें दी हैं राजनीतिक सूत्रों के अनुसार इनमें से 8 से 10 उम्मीदवार बीजेपी के अपने होंगे,जो एलजेपी के चुनाव- चिह्न पर लड़ेंगे।यानी चिराग के कंधे पर बैठकर बीजेपी अपनी चाल चल रही है।चुनाव के बाद वही एलजेपी के टिकट वाले विधायक बीजेपी के पाले में जा सकते हैं,जिससे नीतीश कुमार की स्थिति कमजोर और बीजेपी की मुख्यमंत्री पद की दावेदारी मजबूत हो जाएगी।

स्कूल प्रबन्धन ने शिक्षिका कनिका को बकाया रुपये व अनुभव प्रमाणपत्र किया जारी

जनता दर्शन में उठाई गई गुहार का असर — नामी स्कूल 'इडिफाई वर्ल्ड' को झुकना पड़ा दो दिन में

पथ प्रवाह, देहरादून

जनता दर्शन में उठाई गई एक शिक्षिका की व्यथा अब जनपक्षीय कार्रवाई की मिसाल बन गई है। जिले के प्रतिष्ठित इडिफाई वर्ल्ड स्कूल द्वारा वेतन और सुरक्षा राशि रोके जाने के मामले में जिलाधिकारी सविन बंसल के हस्तक्षेप के बाद दो दिनों के भीतर ही स्कूल प्रबंधन को झुकना पड़ा।

निजी स्कूल में शिक्षण कार्य करने वाली कनिका मदान ने 13 अक्टूबर को कलेक्ट्रेट में आयोजित जनता दर्शन में फरियाद की थी कि वह इडिफाई वर्ल्ड स्कूल, मोथोरोवाला में कार्यरत थीं, परंतु स्कूल ने मार्च और जुलाई माह का वेतन तथा सुरक्षा राशि रोक रखी है और अनुभव प्रमाण पत्र देने से भी इनकार कर रहा है।

मुख्य शिक्षा अधिकारी को दिए गए तत्काल जांच निर्देश

शिकायत पर जिलाधिकारी सविन बंसल ने तत्काल मुख्य शिक्षा अधिकारी (ष्ट.श्च.ह्व.) को वस्तुस्थिति की जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी के सख्त रुख और तत्परता के चलते मामला तुरंत आगे बढ़ा।

दो दिन में 'घुटनों के बल' आया स्कूल प्रबन्धन

डीएम सविन बंसल के हस्तक्षेप के बाद स्कूल प्रबन्धन ने दो दिन के भीतर ही शिक्षिका कनिका मदान को 78,966/- की धनराशि (वेतन एवं सुरक्षा राशि) का चेक सौंप दिया और साथ ही अनुभव प्रमाण पत्र भी जारी कर दिया। यह त्वरित कार्रवाई जिला प्रशासन की संवेदनशीलता और जनसुनवाई की प्रभावशीलता का प्रमाण है।

'जनहित के निर्णयों के लिए चर्चित हैं डीएम सविन बंसल'

डीएम सविन बंसल असहाय, व्यथित और शोषित वर्ग के हितार्थ अपने दृढ़ और निर्णायक फैसलों के लिए जाने जाते हैं। उनकी कार्यशैली से न केवल पीड़ितों को राहत मिल रही है बल्कि शोषण करने वाले संस्थानों में भी भय का वातावरण बना है।

निरंतर बढ़ रहा है जनता का विश्वास

डीएम कार्यालय में रोजाना 40-50 फरियादी अपनी समस्याओं के समाधान हेतु पहुंच रहे हैं। प्रत्येक प्रकरण में समयबद्ध समाधान से जनता में प्रशासन के प्रति विश्वास और भरोसा बढ़ा है। स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे जनहित के क्षेत्रों में जिला प्रशासन द्वारा निरंतर ठोस कदम उठाए जा रहे हैं।

एक नजर

मुख्यमंत्री पुष्कर धामी के प्रयास से कुमाऊँ-गढ़वाल रेल कनेक्टिविटी को मिली रफ़्तार

पथ प्रवाह, देहरादून। उत्तराखंड के रेल यात्रियों के लिए राहत भरी खबर है। अब देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस सप्ताह में एक नहीं, बल्कि तीन दिन चलेगी। रेल मंत्रालय, भारत सरकार ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के प्रयासों पर सहमति जताते हुए इस सेवा के विस्तार को मंजूरी दे दी है। रेलवे बोर्ड की ओर से इस संबंध में औपचारिक आदेश जारी कर दिए गए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 8 अक्टूबर 2025 को नई दिल्ली में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से भेंट कर उत्तराखंड के पर्वतीय क्षेत्रों में रेल सेवाओं के विस्तार का मुद्दा उठाया था। मुख्यमंत्री के आग्रह पर रेल मंत्रालय ने तुरंत कार्रवाई करते हुए देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस (15019/15020) की आवृत्ति बढ़ाने का निर्णय लिया। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने इस निर्णय पर रेल मंत्री और रेलवे बोर्ड का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि देहरादून-टनकपुर रेल सेवा के विस्तार से कुमाऊँ और गढ़वाल के बीच आवागमन और अधिक सुगम होगा। यह न केवल यात्रियों की सुविधा बढ़ाएगा, बल्कि व्यापार, पर्यटन और क्षेत्रीय विकास को भी नई गति देगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में उत्तराखंड में रेल कनेक्टिविटी को सुदृढ़ करने की दिशा में ऐतिहासिक कार्य हो रहे हैं। राज्य के कई हिस्सों में नई रेल परियोजनाओं पर तीव्र गति से काम जारी है, जिससे आने वाले समय में पर्वतीय और सीमांत क्षेत्रों तक रेल संपर्क सुनिश्चित होगा। रेल मंत्रालय के संयुक्त निदेशक (कोचिंग) विवेक कुमार सिन्हा द्वारा जारी आदेश में कहा गया है कि इस निर्णय को तुरंत लागू करने के लिए संबंधित रेलवे जोनों को आवश्यक दिशा-निर्देश भेजे जा चुके हैं।

नई समय सारिणी

नई व्यवस्था के अनुसार– 15019 देहरादून-टनकपुर एक्सप्रेस अब बुधवार, शुक्रवार और रविवार को चलेगी (पहले केवल रविवार को चलती थी)। 15020 टनकपुर-देहरादून एक्सप्रेस अब मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को संचालित होगी (पहले केवल शनिवार को चलती थी)। रेल मंत्रालय ने यह निर्णय यात्रियों की लगातार बढ़ती मांग और कुमाऊँ-गढ़वाल क्षेत्रों के बीच बढ़ती यात्रा जरूरतों को देखते हुए लिया है। मंत्रालय ने इस सेवा विस्तार को शीघ्र प्रभाव से लागू करने और व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं।

संचार क्षेत्र में भारत अग्रणी देशों में से एक बन गया है : सिंधिया

नयी दिल्ली। केन्द्रीय संचार मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने शुक्रवार को कहा कि संचार क्षेत्र में देश में आयी क्रांति को देखते हुए कहा जा सकता है कि भारत आज इस क्षेत्र में विश्व के अग्रणी देशों में से एक बन गया है। सिंधिया ने यहां संचार विभाग की पिछले एक वर्ष की उपलब्धियों को लेकर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में कहा कि देश संचार क्षेत्र के अग्रणी दो-तीन देशों में शामिल हो गया है। उन्होंने कहा कि सरकार संचार क्षेत्र में हो रही प्रगति को देश के कोने-कोने तक पहुंचाना चाहती है और प्रत्येक व्यक्ति को इसके लाभ प्रदान करने के लिये गंभीरता से प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि संचार विभाग में अब सर्किल स्तर पर कार्यों की निगरानी की जा रही है और शिकायतों के त्वरित निपटारे के प्रयास किये जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि पिछले वर्ष संचार अवसंरचना की आधुनिकता और सुधार के मामले में निर्णायक प्रयास किये गये हैं। सिंधिया ने कहा कि भारतीय संचार निगम लि (बीएसएनएल) पिछले 18 वर्षों में पहली बार मुनाफे में रहा है जिसके मद्देनजर इसकी मोबाइल फोन सेवा को जल्द ही 5जी में उच्चीकृत किया जायेगा। सिंधिया ने कहा कि बीएसएनएल की पूरे देश में मोबाइल फोन सेवा को स्वदेशी निर्मित नेटवर्क 4जी से जोड़ दिया गया है। उपभोक्ताओं को बेहतर मोबाइल फोन कनेक्टिविटी मिले, इसके लिए टावर बढ़ाये जा रहे हैं। इन सब प्रयासों के बेतहर परिणाम मिल रहे हैं और बीएसएनएल की सेवा गुणवत्ता में निरंतर सुधार देखा जा रहा है। बीएसएनएल मोबाइल सेवा के उपभोक्ता निरंतर बढ़ रहे हैं। उन्होंने बताया कि बीएसएनएल वित्तीय वर्ष 2024-25 की तीसरी तिमाही में 262 करोड़ और चौथी तिमाही में 280 करोड़ रुपये मुनाफे में रहा। उन्होंने कहा कि संचार विभाग ने डिजिटल सुरक्षा पर विशेष और महत्वपूर्ण प्रयास किये हैं और इस कड़ी में 17 जनवरी को हिन्दी, अंग्रेजी और 21 क्षेत्रीय भाषाओं में संचार साथी मोबाइल एप लॉन्च किया गया है। इस एप को करीब 20 करोड़ लोगों ने एक्सेस किया है। इसके माध्यम से छह लाख से अधिक चोरी हुये मोबाइल फोन बरामद करने में मदद मिली है।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 का किया उद्घाटन

उत्तराखंड भारत–एआई इम्पैक्ट समिट 2026 की प्री–समिट का मेजबान

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड सरकार के आईटी विभाग ने इंडिया एआई मिशन और इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सूचना प्रौद्योगिकी मंत्रालय (MeitY), भारत सरकार के सहयोग से देहरादून के होटल रामाडा में उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 का आयोजन किया। यह कार्यक्रम भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 का आधिकारिक प्री-समिट है, जो 19-20 फरवरी 2026 को नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित होगा।

केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने किया उद्घाटन

शिखर सम्मेलन का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने किया। उन्होंने कहा कि पिछली सदी में परमाणु तकनीक का महत्व था, इस सदी में वही भूमिका एआई निभा रहा है। भारत यह सुनिश्चित कर रहा है कि यह अवसर सभी को समान रूप से मिले। हम एक डॉलर प्रति घंटे से भी कम कीमत में विश्वस्तरीय कंप्यूटिंग शक्ति उपलब्ध करा रहे हैं, जिससे अनुसंधान, नवाचार और सकारात्मक बदलाव संभव होगा। एआई के माध्यम से कुंभ प्रबंधन, शासन और शिक्षा में सुधार करके भारत दुनिया को दिखा रहा है कि जो कभी असंभव था, अब संभव है।

एआई निर्माण और नवाचार पर जोर

उत्तराखंड सरकार के सूचना प्रौद्योगिकी सचिव नितेश कुमार झा ने कहा कि राज्य और केंद्र का उद्देश्य केवल एआई का उपयोग करना नहीं, बल्कि एआई का निर्माण करना है। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में उत्कृष्टता केंद्र और पहला ड्रोन अनुप्रयोग केंद्र स्थापित किया गया है, जहाँ एआई तकनीक को ड्रोन अनुप्रयोगों में एकीकृत किया जा रहा है। इस उपलब्धि के लिए राज्य को राष्ट्रीय पुरस्कार भी मिल चुका है।

प्रमुख संस्थानों और स्टार्टअप्स ने दी भागीदारी

प्री-समिट में आईआईटी रुड़की, आईआईएम काशीपुर, टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट फॉर ग्लोबल चेंज, यूपीईएस और एसटीपीआई देहरादून जैसे प्रमुख संस्थानों ने भाग लिया। इसमें एआई-आधारित स्टार्टअप्स ने शासन, उद्यमिता और सामाजिक प्रभाव के व्यावहारिक अनुप्रयोगों पर प्रस्तुतियाँ दीं।

एआई के भविष्य और युवाओं की भागीदारी

टोनी ब्लेयर इंस्टीट्यूट के कंट्री डायरेक्टर विवेक अग्रवाल द्वारा संचालित पैनल चर्चा में प्रमुख वक्ताओं ने एआई के विकसित परिदृश्य, युवाओं में रचनात्मकता, आलोचनात्मक सोच और समस्या-समाधान कौशल बढ़ाने पर जोर दिया। उन्होंने छात्रों को जमीनी स्तर पर जाकर मूल कारण समझने और सामाजिक प्रभाव पैदा करने वाले विचार डिज़ाइन करने के लिए प्रेरित किया।

भारत की वैश्विक एआई नेतृत्व क्षमता को प्रदर्शित

उत्तराखंड एआई इम्पैक्ट समिट 2025 ने भारत-एआई इम्पैक्ट समिट 2026 के लिए मंच तैयार किया। यह ग्लोबल साउथ में पहला वैश्विक एआई फोरम होगा। समिट भारत की एआई फार आल रणनीति पर आधारित है और यह सामाजिक समावेशन, नवाचार और बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण के माध्यम से समानतापूर्ण, टिकाऊ और जन-केंद्रित एआई विकास को बढ़ावा देने का प्रयास करता है।

दीपावली पर हाई अलर्ट मोड में स्वास्थ्य विभाग, 24 घंटे सक्रिय रहेंगी सभी स्वास्थ्य सेवाएँ

पथ प्रवाह, देहरादून

दीपावली पर्व पर उत्तराखंड सरकार ने स्वास्थ्य व्यवस्थाओं को पूरी तरह हाई अलर्ट पर रखने के निर्देश जारी किए हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी और स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत के दिशा-निर्देशों पर स्वास्थ्य विभाग ने सभी जिलों के प्रशासन, अस्पतालों और चिकित्सा संस्थानों को 24म7 सक्रिय मोड में रहने के आदेश दिए हैं।

मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि पर्वों की खुशियाँ तभी सार्थक हैं जब हर नागरिक सुरक्षित और स्वस्थ रहे। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि दीपावली के दौरान आग लगने, सड़क दुर्घटनाओं या अन्य आपात स्थितियों से निपटने के लिए सभी स्वास्थ्य सेवाएँ हर समय तैयार रहें। मुख्यमंत्री पुष्कर धामी ने बताया कि सभी अस्पतालों, एम्बुलेंस सेवाओं और आपात चिकित्सा इकाइयों को हाई अलर्ट पर रखा गया है। राज्यभर में पर्याप्त डॉक्टर, पैरामेडिकल स्टाफ, दवाओं और उपकरणों का स्टॉक सुनिश्चित किया गया है। साथ ही ब्लड बैंक और बर्न यूनिट्स को भी पूरी तरह कार्यशील बनाए रखा गया है।

उन्होंने कहा कि जनसुरक्षा सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता है, और प्रत्येक जिले में स्वास्थ्य व्यवस्थाओं की सतत समीक्षा की जानी चाहिए।

मुख्यमंत्री ने नागरिकों से अपील कि है कि दीपावली का उत्सव उल्लास से मनाएँ, लेकिन सुरक्षा नियमों का पालन करना न भूलें।

सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने दिए निर्देश

स्वास्थ्य सचिव डॉ. आर. राजेश कुमार ने बताया कि दीपावली और इगास पर्व को देखते हुए सभी जिलाधिकारियों और मुख्य चिकित्साधिकारियों (सीएमओ) को 24म7 सतर्क रहने के निर्देश दिए गए हैं। उन्होंने कहा कि त्योहारों के दौरान किसी भी संभावित दुर्घटना, आग या स्वास्थ्य आपात स्थिति को ध्यान में रखते हुए अस्पताल, ट्रॉमा सेंटर और नियंत्रण कक्ष पूरी तरह सक्रिय रखे गए हैं।

जारी परिपत्र के अनुसार 108 नेशनल एम्बुलेंस सेवा, जिला नियंत्रण कक्ष, और आपातकालीन वार्ड सतत निगरानी में रहेंगे।

डॉक्टरों और पैरामेडिकल स्टाफ की ड्यूटी रोटेशन में तय की गई है ताकि सेवाओं में कोई व्यवधान न आए। सभी जिलों में अग्निशमन, पुलिस, परिवहन और स्वास्थ्य विभागों के बीच आपसी समन्वय सुनिश्चित किया गया है। भीड़भाड़ वाले इलाकों, बाजारों, बस अड्डों और रेलवे स्टेशनों पर मोबाइल मेडिकल यूनिट्स तैनात रहेंगी।

यूकेडी के पूर्व जिलाध्यक्ष व सेवा मेडल विजेता धरम सिंह नाथ ने थामा भाजपा का दामन, राज्य मंत्री प्रताप सिंह पंवार के नेतृत्व में पार्टी हुई और मजबूत

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी।

विधानसभा चुनाव मिशन 2027 के तहत उत्तराखंड में भारतीय जनता पार्टी का संगठन लगातार विस्तार की ओर अग्रसर है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के गतिशील मार्गदर्शन और राज्य मंत्री प्रताप सिंह पंवार के सक्रिय जनसंपर्क प्रयासों से भाजपा का जनाधार दिन-प्रतिदिन मज़बूत होता जा रहा है। इसी क्रम में गुरुवार 16 अक्टूबर को उत्तरकाशी में एक बड़ा राजनीतिक घटनाक्रम देखने को मिला, जब उत्तराखंड क्रांति दल के पूर्व जिलाध्यक्ष, भारतीय सेना से ''सेना मेडल'' प्राप्त वीर सैनिक धरम सिंह नाथ अपने अनेक साथियों सहित भारतीय जनता पार्टी में शामिल हो गए।

यह कार्यक्रम राज्य मंत्री प्रताप सिंह पंवार के उत्तरकाशी स्थित आवास पर आयोजित हुआ, जहाँ बड़ी संख्या में जनप्रतिनिधि, सामाजिक कार्यकर्ता और स्थानीय नागरिक उपस्थित रहे। भाजपा की सदस्यता ग्रहण करते हुए धरम सिंह नाथ ने कहा कि उन्होंने सेना में देश की सेवा की और अब समाज की सेवा के लिए भाजपा जैसे राष्ट्रवादी संगठन का मार्ग चुना है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास के नए दौर में प्रवेश कर चुका है और वे पार्टी की नीति और कार्यशैली से प्रभावित होकर भाजपा परिवार का हिस्सा बने हैं। प्रताप सिंह पंवार ने कहा है कि भारतीय जनता पार्टी सेवा, समर्पण और राष्ट्र निर्माण की भावना पर आधारित पार्टी है। उन्होंने कहा कि धरम सिंह नाथ जैसे अनुशासित और देशभक्त व्यक्ति का भाजपा परिवार में स्वागत करना गर्व की बात है। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तराखंड में भाजपा सरकार ने पारदर्शिता, सुशासन और विकास के नए मानक स्थापित किए हैं, जिससे जनता का विश्वास और अधिक मजबूत हुआ है। भाजपा कार्यकर्ता संगठन की असली शक्ति हैं और मिशन 2027 में पार्टी पुनः प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगी।

इस अवसर पर सेना मेडल विजेता धरम सिंह नाथ के साथ शामिल होने वालों में सेवानिवृत्त कैप्टन लक्ष्मण सिंह नेगी, गणेश मैठाणी, शिव सिंह कैंतुरा, जितेन्द्र सिंह पंवार, दिनेश प्रसाद बिजलवान, विजयपाल सिंह मेहर (पूर्व प्रधान ग्रामसभा दिलसौड़), विपिन मेहर, रविराज पंवार (प्रधान प्रतिनिधि ग्राम ज्ञानजा), रवि धिमी, कुलदीप पुकार सहित अनेक सामाजिक कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

कैप्टन लक्ष्मण सिंह नेगी ने कहा कि भाजपा ने राष्ट्रहित को सर्वोपरि रखा है और प्रधानमंत्री मोदी तथा मुख्यमंत्री धामी के नेतृत्व में उत्तराखंड विकास की नई ऊँचाइयाँ छू रहा है। शिव सिंह कैंतुरा ने कहा कि भाजपा ने गांव, गरीब और किसान की आवाज़ को सशक्त किया है और यह सरकार धरातल पर काम कर रही है। पूर्व प्रधान विजयपाल सिंह मेहर ने कहा कि भाजपा की योजनाएँ हर घर तक पहुँच रही हैं और जनता का विश्वास इस बात का प्रमाण है कि विकास का मार्ग सही दिशा में आगे बढ़ रहा है।

प्रताप सिंह पंवार ने कहा है कि 5 जनवरी 2022 को देश के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी के मार्गदर्शन में उन्होंने अपनी प्रथम श्रेणी राजकीय सेवा से स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति लेकर उत्तरकाशी में भारतीय जनता पार्टी की सदस्यता ग्रहण की थी। सेवारत रहते हुए वे प्रदेश के कर्मचारियों और शिक्षकों के हितों की लड़ाई लड़ते रहे तथा संगठन में अनेक महत्वपूर्ण पदों पर निर्वाचित हुए। भाजपा में उनके जुड़ने से वर्ष 2022 के विधानसभा चुनाव में पार्टी को प्रचंड बहुमत से ऐतिहासिक सफलता मिली थी।

प्रताप सिंह पंवार अपने सादगीपूर्ण व्यक्तित्व, संघर्षशीलता और जनसेवा के प्रति समर्पण के कारण आज भी प्रदेश के कर्मचारियों, शिक्षकों और आम नागरिकों के बीच लोकप्रिय हैं। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे

एक नजर

एसपी उत्तरकाशी सरिता डोबाल ने मासिक अपराध गोष्ठी में दीपावली सुरक्षा और सघन चैकिंग के दिए सख्त निर्देश

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी। दीपावली पर्व के मद्देनज़र जनपद में शांति, सुरक्षा और यातायात व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए पुलिस अधीक्षक उत्तरकाशी सरिता डोबाल ने आज पुलिस लाइन ज्ञानसू में अधीनस्थ अधिकारियों और कर्मचारियों की मासिक अपराध गोष्ठी आयोजित की। गोष्ठी की शुरुआत में एसपी ने अधिकारियों और कर्मचारियों की समस्याएं सुनीं और उनके त्वरित समाधान के निर्देश दिए। इस दौरान सितंबर माह में उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुलिस कर्मियों को ÷मैन ऑफ द मंथ÷ घोषित कर सम्मानित किया गया। सम्मानित कर्मियों में कानि. गणेश राणा (थाना मोरी) और म.कानि. रेखा (थाना बड़कोट) शामिल थे। एसपी डोबाल ने सभी थाना/कोतवाली प्रभारियों और क्षेत्राधिकारियों को दीपावली के दौरान सुरक्षा और यातायात प्रबंधन के लिए विस्तृत निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सभी थाने अपने क्षेत्रों में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात करें और यातायात प्रबंधन योजना तैयार करें, ताकि त्योहार के समय बाजारों में भीड़ और संभावित जाम की स्थिति नियंत्रण में रहे। संदिग्ध गतिविधियों पर रोकथाम के लिए बैरियर और चेक पोस्ट पर सघन चैकिंग अभियान चलाने के निर्देश भी दिए गए। साथ ही, सीसीटीएनएस और अन्य ऑनलाइन पोर्टलों के डेटा अपडेट रखने और तकनीकी दक्षता बढ़ाने पर बल दिया गया। एसपी ने बीट कर्मियों को अपने-अपने क्षेत्रों में नियमित भ्रमण, स्थानीय लोगों से संवाद और अपराध नियंत्रण पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। उन्होंने बाहरी राज्यों या देशों से आए निवासियों का शत-प्रतिशत पुलिस सत्यापन अभियान जारी रखने का भी निर्देश दिया। गोष्ठी में लंबित विवेचनाओं, प्रार्थना पत्रों, समन और वॉरंट का त्वरित निस्तारण करने के साथ-साथ अवैध नशे के खिलाफ सख्त कार्रवाई जारी रखने की रणनीति पर भी चर्चा हुई। इसके अतिरिक्त, साइबर अपराध, महिला सुरक्षा और नशा उन्मूलन के प्रति जनजागरूकता अभियानों को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। मासिक अपराध गोष्ठी में पुलिस उपाधीक्षक उत्तरकाशी जनक सिंह पंवार, पुलिस उपाधीक्षक बड़कोट देवेंद्र सिंह नेगी, प्रतिसार निरीक्षक शिवकुमार, प्रभारी एसओजी प्रमोद उनियाल, निरीक्षक दूरसंचार सचिन कुमार, तथा सभी थाना, कोतवाली और शाखा प्रभारी उपस्थित थे। एसपी डोबाल ने स्पष्ट किया कि दीपावली के अवसर पर पुलिस प्रशासन की पूरी सतर्कता सुनिश्चित की जाएगी और जनपदवासियों को सुरक्षित एवं शांतिपूर्ण त्योहार मनाने का भरोसा दिया।

क्वांटम युग की नई सोच राज्यस्तरीय सीमांत पर्वतीय बाल विज्ञान महोत्सव में धौंतरी के छात्र सचिन की प्रस्तुति ने बटोरी सराहना

पथ प्रवाह, संवाददाता, उत्तरकाशी। रूद्रप्रयाग के गुप्तकाशी में आयोजित चतुर्थ राज्यस्तरीय सीमांत पर्वतीय जनपद बाल विज्ञान महोत्सव में उत्तरकाशी जनपद के पीएम श्री कमलाराम नौटियाल राजकीय आदर्श इंटर कॉलेज धौंतरी के छात्र सचिन ने क्वांटम युग व क्वांटम प्रौद्योगिकी पर अपनी उत्कृष्ट प्रस्तुति देकर सबका ध्यान आकर्षित किया। सचिन की शोधपरक प्रस्तुति को उत्तराखंड राज्य विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी परिषद (यूकोस्ट) के महानिदेशक प्रोफेसर दुर्गेश पंत ने सराहा, जबकि राज्य समन्वयक डॉ. जे. एस. असवाल ने उन्हें सम्मानित किया। सचिन ने अपनी प्रस्तुति में बताया कि आने वाला युग ÷क्वांटम युग÷ होगा, जहां क्वांटम कंप्यूटिंग, सेंसर और संचार प्रणालियाँ जलवायु परिवर्तन जैसी जटिल वैश्विक चुनौतियों के समाधान में निर्णायक भूमिका निभा सकती हैं। उन्होंने कहा कि क्वांटम प्रौद्योगिकी का उपयोग नवीकरणीय ऊर्जा प्रणालियों को अनुकूलित करने, ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन की सटीक निगरानी करने और ऊर्जा-कुशल नई सामग्री विकसित करने में किया जा सकता है। इससे जलवायु मॉडलिंग और उत्सर्जन ट्रैकिंग जैसी वैज्ञानिक प्रक्रियाओं को अधिक सटीक और टिकाऊ बनाया जा सकता है।

आईएएस प्रशिक्षुओं ने नेहरू पर्वतारोहण संस्थान में सीखा नेतृत्व का तरीका

पथ प्रवाह, उत्तरकाशी

लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी से आए भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के 15 प्रशिक्षु अधिकारी शुक्रवार को उत्तरकाशी स्थित नेहरू पर्वतारोहण संस्थान (निम) का दौरा कर प्रशासनिक कार्यों में साहस, अनुशासन और सामूहिक नेतृत्व की महत्वपूर्ण सीख प्राप्त की।

भ्रमण की शुरुआत निम के कॉन्फ्रेंस हॉल में परिचय सत्र से हुई, जिसमें प्रशिक्षु अधिकारियों को संस्थान की स्थापना, प्रशिक्षण पद्धतियों और देश में पर्वतारोहण संस्कृति को बढ़ावा देने में इसके योगदान के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों को बेसिक माउंटेनियरिंग कोर्स से जुड़ा वीडियो प्रेजेंटेशन दिखाया गया और प्रशिक्षकों द्वारा स्पोर्ट क्लाइंबिंग का लाइव प्रदर्शन भी प्रस्तुत किया गया, जिसे प्रशिक्षु अधिकारियों ने अत्यंत उत्साह और रुचि के साथ देखा।

इसके बाद प्रशिक्षुओं ने संस्थान परिसर और हिमालय संग्रहालय का भ्रमण किया। संग्रहालय में उन्होंने पर्वतारोहण के इतिहास, प्रसिद्ध अभियानों, उपकरणों और हिमालयी पारिस्थितिकी से जुड़ी प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही, उत्तराखंड की लोकसंस्कृति, पारंपरिक वेशभूषा, हस्तशिल्प और ग्रामीण जीवनशैली से जुड़े प्रदर्शनियों को भी उन्होंने सराहा।

संस्थान के उपप्रधानाचार्य कैप्टन जी. संतोष कुमार ने बताया कि इस प्रकार के प्रशिक्षण और भ्रमण आईएएस अधिकारियों को साहस, अनुशासन और नेतृत्व के गुणों से जोड़ते हैं। उन्होंने कहा कि पर्वतारोहण प्रशिक्षण न केवल शारीरिक क्षमता को विकसित करता है, बल्कि पर्यावरणीय संवेदनशीलता और टीमवर्क की भावना को भी मजबूत करता है।

इस अवसर पर रजिस्ट्रार प्रवीन कुमार सहित संस्थान के प्रशिक्षकगण भी मौजूद रहे। प्रशिक्षु अधिकारियों ने निम की भूमिका को सराहते हुए कहा कि यह अनुभव उन्हें प्रशासनिक कार्यों में धैर्य, रणनीतिक सोच और टीम भावना विकसित करने में महत्वपूर्ण योगदान देगा।

पीएमश्री योजना की तर्ज पर उत्तराखंड के स्कूलों का आधुनिकीकरण: मुख्य सचिव

पथ प्रवाह, देहरादून

उत्तराखंड में स्कूलों के आधुनिकीकरण के लिए प्रधानमंत्री स्मार्ट स्कूल री-इंवेस्टमेंट (पीएमश्री) योजना की तर्ज पर नई पहल शुरू करने की तैयारी है। यह घोषणा मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने सचिवालय में पीएमश्री और लखपति दीदी योजना की समीक्षा के दौरान की। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने कहा कि पीएमश्री योजना के तहत स्कूलों को पांच वर्षों में 40-40 लाख रुपए की धनराशि (कुल 2 करोड़ रुपये) उपलब्ध कराई जाती है, जिससे स्कूलों में स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं, पुस्तकालय और खेल सुविधाएं स्थापित की जाती हैं। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि प्रदेश में भी इसी तर्ज पर योजना संचालित की जाए, ताकि सरकारी स्कूलों में बच्चों के पठन-पाठन और कौशल विकास के लिए आधुनिक सुविधाएं उपलब्ध कराई जा सकें।

मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने क्लस्टर विद्यालयों से इस योजना की शुरुआत करने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि इस योजना के माध्यम से प्रदेश के सभी सरकारी विद्यालयों में स्मार्ट क्लास, विज्ञान प्रयोगशालाएं और पुस्तकालय स्थापित करने में तेजी आएगी, जिससे शिक्षा की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार होगा। मुख्य सचिव आनन्द बर्द्धन ने लखपति दीदी योजना की समीक्षा करते हुए कहा कि इसे और अधिक कारगर बनाने के लिए स्वयं सहायता समूहों (साल) के उत्पादों में तकनीक का अधिकतम उपयोग किया जाए। इसके लिए लगातार क्षमता विकास कार्यक्रम संचालित किए जाएंगे और योजना की मॉनिटरिंग भी निरंतर की जाएगी। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य स्तरीय संचालन समिति और राज्य स्तरीय निगरानी समिति का गठन शीघ्र किया जाए और नियमित बैठकों के माध्यम से योजना की प्रगति सुनिश्चित की जाए। इसके अलावा, स्वयं सहायता समूहों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने, ई-कॉमर्स प्लेटफार्म, रिटेल चेन और हाउस ऑफ हिमालयाज जैसे माध्यमों पर अधिक से अधिक फोकस किया जाएगा। इस अवसर पर प्रमुख सचिव आर. मीनाक्षी सुन्दरम, अपर सचिव विजय कुमार जोगदण्डे, मेहरबान सिंह बिष्ट एवं झरना कामठान सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे।

एक नजर

अनाथ बच्चों को प्रतियोगी परीक्षाओं में आयु में छूट की मांग

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पूर्व सैनिक संगठन द्वारा शासन के विभिन्न स्तर पर पत्र प्रेषित करते हुए राज्य में अनाथ बच्चों के हितों को ध्यान में रखकर बच्चों को प्रतियोगी परीक्षा में आयु सीमा की छूट 25 वर्ष तक दिए जाने हेतु आग्रह किया गया। इससे पूर्व भी पूर्व सैनिक संगठन द्वारा ऐसे अनाथ बच्चों को लेकर पत्र प्रेषित किए गए जिसका सकारात्मक परिणाम रहा। जहां यह आयु की छूट पूर्व में 18 वर्ष तक मिलती थी, वहीं इस पर 2022 में इसे 21 वर्ष तक के लिए बढ़ा दिया गया। लेकिन ऐसे बच्चों के हितों और भविष्य को देखते हुए संगठन द्वारा इस छूट को 25 वर्ष किए जाने हेतु आग्रह किया गया है, क्योंकि ऐसे बच्चे पहले से ही एक बड़ी विपत्ति को झेल रहे होते हैं और ऐसे समय में इनको इस प्रकार से सुविधा मिल पाना ऐसे बच्चों के भविष्य को संवारने के समान होगा।

जिलाधिकारी ने जिला चिकित्सालय एवं महिला चिकित्सालय का किया औचक निरीक्षण

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष कुमार भटगांई ने जिला चिकित्सालय एवं जिला महिला चिकित्सालय परिसर का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने मरीजों से संवाद स्थापित कर अस्पताल में उपलब्ध चिकित्सा सुविधाओं की जानकारी प्राप्त की तथा आयुष्मान कार्ड से संबंधित व्यवस्थाओं का भी अवलोकन किया।

जिलाधिकारी ने अस्पताल परिसर में साफ-सफाई की विशेष व्यवस्था सुनिश्चित करने, चिकित्सकों को समय पर ड्यूटी पर उपस्थित रहने और मरीजों की समुचित देखभाल करने के निर्देश चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को दिए। उन्होंने यह भी निर्देशित किया कि अस्पताल परिसर में पड़े कूड़े, कबाड़ एवं खराब उपकरणों का शीघ्र और उचित निस्तारण किया जाए। उन्होंने शिकायत पेटिका की जांच की, जिसमें कोई शिकायत नहीं पाई गई। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने अस्पताल में हेल्पलाइन प्रणाली स्थापित करने के निर्देश दिए, जिससे मरीजों को त्वरित सहायता एवं आवश्यक जानकारी प्राप्त हो सके। निरीक्षण के दौरान जिलाधिकारी ने आपातकालीन कक्ष (इमरजेंसी), वार्ड, आईसीयू तथा ऑपरेशन थियेटर (ओटी) का भी अवलोकन किया और व्यवस्थाओं को और अधिक प्रभावी बनाने के निर्देश दिए। ओपीडी का निरीक्षण करते हुए उन्होंने पर्ची वितरण प्रक्रिया की जानकारी ली तथा इस व्यवस्था को अधिक सुव्यवस्थित और पारदर्शी बनाने के निर्देश दिए।

सीडीओ डॉ ललित नारायण मिश्र ने की ग्रामोत्थान परियोजना की छमाही समीक्षा

पथ प्रवाह हरिद्वार। ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना की छमाही प्रगति की समीक्षा के लिए एक उच्च-स्तरीय बैठक विकास भवन, रोशनाबाद के सभागार में हुई, जिसकी अध्यक्षता मुख्य विकास अधिकारी (सीडीओ) डॉ. ललित नारायण मिश्र ने की।

बैठक का प्राथमिक उद्देश्य परियोजना के पिछले छह माह के कार्यों का गहन मूल्यांकन करना और आगामी तिमाही के लिए एक स्पष्ट कार्ययोजना को अंतिम रूप देना था। सीडीओ डॉ. मिश्र ने परियोजना की अब तक की प्रगति की सराहना की, लेकिन साथ ही कुछ महत्वपूर्ण क्षेत्रों में तेजी लाने पर बल दिया।

बैठक के दौरान सबसे प्रमुख चर्चा का विषय शेयर धन (Share Capital), एंटरप्राइजेज के लक्ष्य को पूर्ण करना रहा। डॉ. मिश्र ने इस बात पर जोर दिया कि परियोजना की वित्तीय स्थिरता और सामुदायिक स्वामित्व को मजबूत करने के लिए यह लक्ष्य अत्यंत महत्वपूर्ण है। उन्होंने परियोजना से जुड़े समस्त स्टाफ को स्पष्ट और कड़े निर्देश दिए कि वे युद्धस्तर पर कार्य करते हुए शेयर धन और एंटरप्राइजेज के लक्ष्य को जल्द से जल्द शत-प्रतिशत पूर्ण करें। इस समीक्षा बैठक में परियोजना के क्रियान्वयन से जुड़े विभिन्न विभागों और संस्थानों के प्रमुखों ने प्रतिभाग किया। इसमें सहायक परियोजना निदेशक नलिनीत घिल्डियाल, जिला परियोजना प्रबंधक संजय सक्सेना, एनआरएलएम से डीटीई सूरज रतूड़ी, मुख्यमंत्री उद्यमशाला योजना के प्रतिनिधि, तथा मीठी गंगा एफपीओ के प्रतिनिधि शामिल हुए। इसके अलावा, ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के समस्त सहायक प्रबंधक, समस्त विकासखंड स्तरीय रीप स्टाफ, और समस्त सीएलएफ स्टाफ ने भी अपनी-अपनी प्रगति रिपोर्ट के साथ प्रतिभाग किया और चर्चा में सक्रिय भाग लिया। सीडीओ डॉ. मिश्र ने निष्कर्ष स्वरूप सभी को तालमेल और प्रतिबद्धता के साथ कार्य करने का आह्वान किया, ताकि ग्रामोत्थान (रीप) परियोजना के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में समृद्धि और स्थायी आजीविका के लक्ष्यों को समय पर प्राप्त किया जा सके।

रूड़की में मास्टर प्लान 2041 पर जनसुनवाई, 500 से अधिक आपत्तियों पर हुई चर्चा

जनता की शंकाओं का हुआ समाधान, सुनियोजित विकास का मिला भरोसा

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार जनपद के सुनियोजित विकास की दिशा में तैयार किए जा रहे मास्टर प्लान 2041 को लेकर जनसुनवाई का सिलसिला जारी है। हरिद्वार के बाद अब रूड़की में आयोजित जनसुनवाई शिविर में करीब 500 से अधिक आपत्तियों और सुझावों पर सुनवाई की गई। इस दौरान स्थानीय नागरिकों, किसानों और संस्थाओं द्वारा रखी गई चिंताओं और शंकाओं का समाधान करने का प्रयास किया गया।

जनहित सर्वोपरि रखते हुए होगा विकास : एचआरडीए

हरिद्वार-रूड़की विकास प्राधिकरण (एचआरडीए) की उपाध्यक्ष सोनिका ने कहा कि मास्टर प्लान का उद्देश्य जनहित को सर्वोपरि रखते हुए शहर का सुनियोजित विकास सुनिश्चित करना है। योजना में ग्रीन बेल्ट, खेल के मैदान, औद्योगिक क्षेत्र, बस स्टैंड, सार्वजनिक पार्क, सामुदायिक भवन और चौड़ी सड़कों जैसे बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान दिया गया है।

किसानों की जमीन को लेकर उठी शंकाएं

जनसुनवाई के दौरान अधिकांश आपत्तियां भूमि अधिग्रहण को लेकर सामने आईं। कई किसानों ने अपनी जमीन के अधिग्रहण की आशंका जताई। इस पर अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि मास्टर प्लान केवल विकास के भविष्य के स्वरूप का खाका है, इसका अर्थ यह नहीं कि सभी चिन्हित भूमि तत्काल अधिग्रहित की जाएगी।

बीएसएम इंटर कॉलेज में हुई सुनवाई

रूड़की में आयोजित जनसुनवाई बीएसएम इंटर कॉलेज में हुई।

'घर-घर स्वदेशी' का आह्वान आत्मसम्मान और राष्ट्रनिर्माण की भावना को पुनः जगाने का संदेश: दीप्ति रावत

पथ प्रवाह, हरिद्वार।

हरिद्वार में आत्मनिर्भर भारत संकल्प अभियान के तहत आयोजित जिला कार्यशाला में आत्मनिर्भरता और स्वदेशी विचारधारा को जन-जन तक पहुँचाने का संकल्प लिया गया। इस अवसर पर उपस्थित कार्यकर्ताओं, शिक्षकों, उद्यमियों और युवा स्वयंसेवकों ने एकस्वर से कहा कि भारत के भविष्य की दिशा अब स्वदेशी से स्वावलंबन की ओर है।

कार्यशाला को संबोधित करते हुए प्रदेश महामंत्री दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का घर-घर स्वदेशी अभियान भारत के आत्मविश्वास और आत्मगौरव का पुनर्जागरण है। उन्होंने कहा कि यह केवल स्थानीय उत्पादों के उपयोग का आग्रह नहीं, बल्कि यह भारतीय समाज की उस चेतना को जगाने का प्रयास है जो हर घर में आत्मनिर्भरता की भावना को स्थायी बनाती है।

दीप्ति रावत भारद्वाज ने कहा कि प्रधानमंत्री जी की सोच है ÷जब भारत के गाँव आत्मनिर्भर बनेंगे, तब पूरा राष्ट्र आत्मनिर्भर

होगा।÷ उन्होंने युवाओं का आह्वान किया कि वे स्वदेशी उद्योगों, हस्तशिल्प, और स्थानीय उत्पादों को बढ़ावा देकर लोकल से ग्लोबल÷ की दिशा में उदाहरण प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि आज आत्मनिर्भरता केवल आर्थिक शब्द नहीं, बल्कि सांस्कृतिक और मानसिक स्वतंत्रता का प्रतीक बन चुकी है। स्वदेशी अपनाने का अर्थ अपने समाज, कारीगरों, किसानों और नवाचार को सशक्त बनाना है। कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों, महिला समूहों और उद्यमिता प्रकोष्ठों के प्रतिनिधियों ने अपने अनुभव साझा किए और ÷स्वदेशी अपनाओ, राष्ट्र बढ़ाओ÷ का संकल्प लिया। कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ताओं ने प्रतिज्ञा दोहराई कि वे अपने-अपने क्षेत्र में ÷घर-घर स्वदेशी÷ के संदेश को प्रसारित करेंगे और आत्मनिर्भर भारत के निर्माण में सक्रिय भूमिका निभाएँगे। बैठक में प्रमुख रूप से पूर्व कैबिनेट मंत्री व प्रदेश उपाध्यक्ष स्वामी यतीश्वरानंद, जिला अध्यक्ष आशुतोष शर्मा, जिला महामंत्री संजीव चौधरी व हीरा सिंह बिष्ट, विवेक चौहान (मंडल अध्यक्ष, जमालपुर कला), राकेश सैनी (मंडल अध्यक्ष, आदर्श टिहरी नगर), विक्रम सिंह (मंडल अध्यक्ष, लालढांग), सुशील पंवार (मंडल अध्यक्ष, भोगपुर पंचपुरी) तथा बलवंत सिंह पंवार (मंडल महामंत्री, हरिद्वार ग्रामीण) मुख्य रूप से मौजूद रहे।

एक नजर

दीपावली पर वाहनों में ओवरलोडिंग रोकने को परिवहन विभाग ने चलाया अभियान

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। दीपावली पर्व के दौरान सड़क सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से परिवहन विभाग, पिथौरागढ़ एक्शन मोड में है। एआरटीओ (प्रवर्तन) शिवांश कांडपाल के नेतृत्व में चल रहे विशेष अभियान के तहत पिछले दो दिनों में सड़क सुरक्षा से संबंधित विभिन्न धाराओं के अंतर्गत 70 वाहनों के चालान किए गए हैं तथा 2 वाहनों को सीज किया गया है। एआरटीओ कांडपाल ने बताया कि 18 से 25 अक्टूबर तक जनपद में व्यापक चेकिंग अभियान संचालित किया जाएगा, जिसमें विशेष रूप से ओवरलोडिंग पर कड़ी निगरानी रखी जाएगी। इस अभियान में परिवहन विभाग के दो दल - प्रवर्तन दल तथा प्रवर्तन अधिकारी महेन्द्र सिंह नेगी के नेतृत्व में इंटरसेप्टर दल सक्रिय रहेगा। वाहनों की फिटनेस, ओवरलोडिंग, परमिट, बीमा एवं अन्य दस्तावेजों की गहन जांच की जा रही है। परिवहन विभाग की ओर से एक एडवाइजरी भी जारी की गई है, जिसमें पुलिस और प्रशासन के सहयोग से सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम हेतु कई महत्वपूर्ण निर्देश दिए गए हैं। एआरटीओ कांडपाल ने स्पष्ट चेतावनी दी है कि यदि कोई वाहन क्षमता से अधिक सवारियों के साथ पाया गया, तो उसका परमिट एवं ड्राइविंग लाइसेंस निरस्त किया जाएगा तथा वाहन सीज करने की कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि परिवहन विभाग, प्रशासन और पुलिस मिलकर जनपद में सड़क दुर्घटनाओं को रोकने के लिए प्रतिबद्ध हैं। साथ ही, एआरटीओ ने वाहन चालकों से अपील की है कि दीपावली पर्व के दौरान सड़क सुरक्षा नियमों का पालन करें, सावधानीपूर्वक वाहन चलाएं, तथा क्षमता से अधिक सवारियां न बैठाएं। आमजन से भी आग्रह किया गया है कि यदि कहीं ओवरलोडिंग होती दिखाई दे, तो इसकी सूचना तत्काल विभाग को दें, ताकि आवश्यक कार्रवाई की जा सके।

पिथौरागढ़ पुलिस का दीवाली पर सुरक्षा की गतिविधि पर पैनी नजर

पथ प्रवाह, पिथौरागढ़। पुलिस अधीक्षक रेखा यादव के निर्देशन में जनपद पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा दीवाली के पर्व तक अवैध आतिशबाजी पर कड़ी निगरानी रखी जा रही है। इस क्रम में कोतवाली पिथौरागढ़ पुलिस द्वारा कोतवाली क्षेत्र में सघन चेकिंग अभियान चलाया गया। अभियान के तहत प्रभारी कोतवाली मदन बिष्ट के नेतृत्व में पुलिस टीम चौकी एंचोली प्रभारी उ0नि0 कमलेश जोशी, उपनिरीक्षक मनोज जलाल, का0 दिगंबर खाती, का0 नवींद्र प्रसाद द्वारा विजडम तिराहे के पास स्थित एक फास्ट फूड गोदाम से अवैध रूप से आतिशबाजी का सामान (15 पेटी पटाखे) बेचने और भंडार करके रखने में कैलाश सिंह कठायत पुत्र मोहन सिंह कठायत, निवासी एंचोली पिथौरागढ़ को गिरफ्तार किया गया। पुलिस अधीक्षक द्वारा पुलिस टीम को 2500/- रुपए नकद पुरस्कार की घोषणा की है। पिथौरागढ़ पुलिस जनता से अपील करते हुए कहा कि वे किसी भी प्रकार के अवैध सामान, विशेष रूप से पटाखों की बिक्री और भंडारण की सूचना तुरंत पुलिस को दें।

जिलाधिकारी आशीष कुमार भाटगांई ने प्रशिक्षु आईएएस अधिकारियों से की शिष्टाचार भेंट

जीवन सिंह बोहरा, पिथौरागढ़

जिलाधिकारी पिथौरागढ़ आशीष कुमार भाटगांई ने कलेक्ट्रेट सभागार में भारतीय प्रशासनिक सेवा के विभिन्न राज्यों में प्रशिक्षणरत राष्ट्रीय संचार वित्त अकादमी, गाज़ियाबाद के 13 प्रशिक्षु अधिकारियों से शिष्टाचार भेंट की।

इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्रशिक्षु अधिकारियों को जनपद पिथौरागढ़ की भौगोलिक, सांस्कृतिक एवं प्रशासनिक विशेषताओं से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि ÷पिथौरागढ़ प्राकृतिक सौंदर्य और साहसिक पर्यटन की अपार संभावनाओं से युक्त जनपद है। यहां सतत् विकास हमारी प्राथमिकता रहेगी तथा पर्यटन गतिविधियों को बढ़ावा देकर स्थानीय अर्थव्यवस्था को सशक्त किया जाएगा।÷ भाटगांई ने अधिकारियों से संवाद के दौरान अपने प्रशासनिक अनुभव साझा किए तथा उन्हें भावी दायित्वों के प्रति सजग, संवेदनशील एवं उत्तरदायी बने रहने का संदेश दिया। उन्होंने इमोशनल इंटेलीजेंस की प्रशासनिक कार्यप्रणाली में भूमिका पर भी अपने विचार साझा किए। भेंट के दौरान प्रशिक्षु अधिकारियों ने भी अपने-अपने अनुभव साझा किए तथा जनपद प्रशासन की कार्यप्रणाली एवं स्थानीय विकास पहलों के संबंध में विस्तृत जानकारी प्राप्त की।

पोषण एक कार्यक्रम नहीं, यह राष्ट्रीय जिम्मेदारी – आठवां राष्ट्रीय पोषण माह 2025 सम्पन्न

पथ प्रवाह, देहरादून

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने आठवें राष्ट्रीय पोषण माह 2025 के समापन समारोह में कहा कि पोषण केवल एक कार्यक्रम नहीं, बल्कि भारत के प्रत्येक बच्चे और माँ के प्रति हमारी राष्ट्रीय जिम्मेदारी और नैतिक प्रतिबद्धता है। हिमालयन कल्चरल सेंटर, देहरादून में आयोजित समारोह में केंद्रीय महिला बाल विकास राज्य मंत्री सावित्री ठाकुर ने कहा कि जीवन के पहले 1000 दिन–गर्भावस्था से लेकर बच्चे के दो वर्ष की आयु तक–विकास और वृद्धि के लिए सबसे महत्वपूर्ण हैं। स्वस्थ माँ एक सशक्त पीढ़ी को जन्म देती है, और संतुलित आहार ही देश की मजबूती की नींव है। उन्होंने इस वर्ष के पोषण माह को विशेष बताया क्योंकि इसमें महिलाएं, पुरुष और युवा सभी शामिल हुए, जिससे यह एक समावेशी जन आंदोलन बन गया।

अतिरिक्त सचिव लव अग्रवाल ने मिशन पोषण 2.0 और पोषण ट्रैकर एप के माध्यम से डिजिटल निगरानी तथा सेवा वितरण में पारदर्शिता पर प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि देशभर के 14 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों के माध्यम से 10 करोड़ से अधिक लाभार्थियों को सेवाएँ प्रदान की जा रही हैं और 13 लाख से अधिक आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं को स्मार्टफोन के साथ पोषण ट्रैकर एप उपलब्ध कराई गई है।

एनएफएचएस-5 के आंकड़ों के अनुसार कुपोषण के प्रमुख संकेतकों में उल्लेखनीय गिरावट दर्ज की गई है–ठिगनापन 38.4% से घटकर 35.5% और कम वजन की दर 35.8% से घटकर 32.1% हो गई है। 2 लाख आंगनवाड़ी केंद्रों को सक्षम केंद्रों में

विकसित किया जा रहा है, जिनमें स्वच्छ जल, स्वच्छता, शिक्षण सामग्री और डिजिटल उपकरण उपलब्ध हैं।

उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या ने पोषण ट्रैकर के माध्यम से प्राप्त डेटा की सराहना करते हुए इसे जमीनी प्रतिबद्धता पर भरोसे की मुहर÷ बताया। केबिनेट मंत्री गणेश जोशी ने कहा कि स्थानीय उत्पाद और पारंपरिक भोजन भारत की पोषण आत्मनिर्भरता की रीढ़ हैं।

समारोह में मिशन सक्षम आंगनवाड़ी और पोषण 2.0 के तहत पोषण चैंपियंस का सम्मान किया गया, किशोरियों को महालक्ष्मी किट वितरित की गई, और मुख्यमंत्री वात्सल्य योजना के तहत 1.56 करोड़ रुपये की डीबीटी राशि 5211 लाभार्थियों को प्रदान की गई।

केंद्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री अन्नपूर्णा देवी का वीडियो संदेश भी प्रसारित किया गया, जिसमें उन्होंने अभियान की सफलता का श्रेय आंगनवाड़ी कार्यकर्ताओं और मंत्रालय से जुड़े लोगों को दिया।

इस वर्ष का पोषण माह छह प्रमुख थीम–सजग भोजन, प्रारंभिक बाल देखभाल एवं शिक्षा, शिशु एवं छोटे बच्चों के लिए पोषण व्यवहार, पुरुषों की भागीदारी, वोकल फॉर लोकल और समन्वित प्रयास एवं डिजिटलीकरण–पर केंद्रित रहा, जिसने न केवल आज के नागरिकों को जागरूक किया बल्कि 2047 तक सुपोषित भारत की नींव भी रखी।

हुआ और इसमें उत्तराखंड की महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास मंत्री रेखा आर्या, कृषि एवं ग्राम्य विकास मंत्री गणेश जोशी, महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव लव अग्रवाल, उत्तराखंड के महिला सशक्तिकरण एवं बाल विकास सचिव चंद्रेश कुमार यादव, भारत सरकार की संयुक्त सचिव राधिका झा और अन्य गणमान्य अधिकारी उपस्थित रहे।

स्वामी/प्रकाशक **वीरेन्द्र सिंह** ने मुद्रक **प्रमोद कुमार, जय माँ गंगा प्रिन्टर्स, राजराणा कॉम्पलैक्स निकट खाद गोदाम, जमालपुर कलां, ज्वालापुर, हरिद्वार (उत्तराखण्ड)** से मुद्रित कराकर, **मुख्य कार्यालय: 41, शांतिपुरम, जगजीपुर, कनखल, हरिद्वार पिन–249408 (उत्तराखण्ड)** से प्रकाशित किया। **वीरेन्द्र सिंह** (सम्पादक) 9411111733, **सुरेन्द्र पाल सिंह** (ब्यूरो चीफ, उत्तरकाशी) 7376757899 वेबसाई– www.pathpravah.com